Visit **Dwarkadheeshvastu.com** For

FREE **Vastu Consultancy, Music, Epics, Devotional Videos**
Educational Books, Educational Videos, Wallpapers

———— **** ————

All Music is also available in **CD** format. **CD Cover** can also be print with your Firm Name

———— **** ————

We also provide this whole Music and Data in **PENDRIVE** and **EXTERNAL HARD DISK.**

Contact : Ankit Mishra (+91-8010381364, dwarkadheeshvastu@gmail.com)

AA Jhgfj% AA

lEiwZHktu eky

¼ fgUnh ½

विषय-सूची

गणेश जी के भजन

गणेश वंदना 11
गणेश वंदना 12
गजानंद सरकार पधारो... 13
गजानंद नाचे 14
संकट हरियो मेरा 15
प्रथम मनाना है 16
राखो मेरी लाज 17
ये तो गणपति हैं... 18
पूज के गणपति को... 19
ये आस लगा रहे हैं... 20
गणेश जी की आरती 21

कृष्ण जी के भजन

श्याम हमारे घर आ जाना... 23
तेरा मचले जो मन... 24
छोटी-छोटी गइयां... 26
ये तो प्रेम की बात है... 27
रात श्याम सपने में... 28
देखो आज भयो ललना... 29
बड़ा नटखट है... 30
होरी खेले राधा... 31
बृंदावन का कृष्ण कन्हैया... 32
श्याम तेरी बंसी... 33
बड़ा नटखट है रे... 34
तोरा मन दर्पण... 35
श्याम-राधे कोई... 36
चांदी की दीवार... 37
गोपाला तेरा प्यारा नाम है... 38
बड़ी देर भई नंदलाला... 40
दर्शन दो घनश्याम... 41
सांवरे से मिलने का... 42
राधे-राधे रटो... 43
श्याम पिया मोरी... 44
चले आना प्रभु जी... 45
गुलाम तेरो बनवारी... 46
कृष्ण जिनका नाम है... 47
सबसे ऊंची प्रेम सगाई... 48
तेरे पूजन को भगवान... 49
बंसी वाले ने घेर लई... 50
राधा ना बोले ना बोले... 51
कन्हैया-कन्हैया तुझे... 52
मैया मोरी मैं नहीं माखन... 53
मोहे पनघट पे... 54
तुम्हीं हो नैया... 55
करो कृपा ना कर देरी... 56
मन बस गई मूरत... 57
भज गोविंद गोविंद... 58
मुरली वाले आन कर... 59
भज गोविंद गोपाला... 60
मुरली सुना के... 61
कान्हा आई शरण तुम्हारी... 62
कान्हा बंसी बजावे... 63
मैं पागल हो गई श्याम... 64
धूम मचावे चितचोर... 65
चलो सखी पालना... 66
क्यों तुम रूठे हो... 67
ना रोको डगर मोरी रे... 68
श्याम रूठे हैं तो... 69

मैं बेचन जाऊं...	70	दरबार इनका सबसे...	103
वो काला एक बांसुरी...	71	रटता तेरा नाम बच्चा-बच्चा...	104
सजाया मैंने पालना...	72	भक्तों की पुकार है...	105
कृष्ण लिए हैं अवतार...	73	मेरा बाबा डमरू वाला...	106
शिवजी के भजन		शंभु तेरी शरण में...	107
भोला ओ बम-बम भोला...	75	शंकर त्रिपुरारी की नित...	108
मैं तो आया हूं भोले...	76	सागर पे उतारी...	109
ले के कांवर हम तो...	77	गोकुल में आ गए...	110
डमरू बजाए...	78	तेरा ही सहारा है...	111
कोई दे दो ठिकाना रे...	79	कहां जा छुपे हो मेरे...	112
डमरू वाले डमरू बजा...	80	भक्त एक शिव का...	113
डम-डम डमरू वाला...	81	बम बोल कांवरिया...	114
ओ शंकर मेरे...	82	त्रिशूल मजा ही देगा...	115
भोलेनाथ तेरी नौकरी पे...	83	भोले बाबा की नगरिया...	116
नाच रहे शिवजी...	84	शिव विवाह	117
ऐ बंदे तुझे क्या है...	85	सांवल सा चेहरा तेरा...	118
जय जय शिव शंकर...	86	दिन जाने का हो गया...	119
शंकर जी गोरा से बोले...	87	बद्री से गई काशी...	120
मुझे तो शिव...	88	शिव शंकर चले कैलास...	121
हमें शिव से मन को...	89	दिल चीर के देखो...	122
ऐसे दूल्हे से डरियो...	90	मेरा शिव खो गया है...	123
है जोगी अगम अपारा...	91	शिव शंकर की महिमा देखो...	124
जपते रहो सुबह और...	92	नाच रही है गौरा नंदी...	125
सदा भज शंकर...	93	भोले नाथ हरे...	126
भोले हो रही जय-जयकार	94	जब प्राण तन से निकले...	127
जय सोमेश्वर कैलाशी...	95	तुम छुप ना सकोगे...	128
काशी नगरी से आया है...	96	आ गई शिव रात्री...	129
भोले आया शरण तुम्हारी...	97	डम डम डमरू बोले...	130
जो भोले में मन को...	98	तुमको लाखों प्रणाम...	131
गुण गाऊंगा तेरे...	99	शंकर मेरा कहां है...	132
भोला भांग तुम्हारी...	100	शिव तू ही...	133
किस दिन भोले तेरा...	101	शरण में सदा शिव की...	134
भोले का पहला नंबर...	102	कर त्रिशूल डमरू धर...	135

ईश गिरीश हमारी... 136
शंभु का मिल गया है... 137
रूप भोले का भिक्षा... 138
दाता एक शंकर... 139
शंकर तेरी जटा में... 140
शिव भोला भंडारी... 141
दया की फेर दो नजर... 142
तुम्हारा नाम जप करके... 143
दया की क्यों नहीं भगवन... 144
ऐ शंभु तुम्हें अपना... 145
हे शिव शंकर नटराजा... 146
प्रेम से तू गा ले... 147
दुख टालते भव से तारते... 148
मेरा शिव शंकर रखवाला... 149
दुख हरो मेरा कैलाशपति... 150
भोले तेरा डमरू बजे... 151

देवी माता के भजन

घनन घनन घंटा बजे... 153
आती है भूरे शेर पे... 154
जब मइया को लाल रंग का... 155
पर्वत पे चढ़ते ही... 156
भक्तों शेरांवाली है... 157
अंबे तेरा सच्चा है दुआरा... 158
अंबे देख हां देख... 159
तेरा ही तो है सच्चा... 160
सांकल खोल मैया... 161
चल्ला चल्ला रे भक्तों का... 162
माता माता खबर तुम लेना... 163
आए हम मैया तुम्हारी... 164
सच्चा है मां का दरबार... 165
दुर्गे मैया तेरे द्वार... 166
हम तेरे द्वार आ गए... 167
ओ शेरां वाली कर किरपा... 168
गोदी विच बिठाके दे दे... 169
ओ शेरांवाली दा द्वारा... 170
चलो चलिए गुलाबी रुतां... 171
रख लाज ढक परदे... 172
बिन तेरे शेरों वाली... 173
माता के दर्शनों को... 174
रे मन चल मैया के... 175
चलो मां के दर्शन को... 176
ओ शेरों वाली आकर के... 177
कभी भक्तों के घर... 178
तेरे द्वार का मइया 179
दुर्गे भवानी आई रे... 180
बता दो हे जगत जननी... 181
कभी फुरसत हो तो... 182
तू आ भी जा... 183
नसीब तेरा जाग जाएगा... 184
तेरे द्वार मैं आऊंगा... 185
तूने मुझे बुलाया शेरां वालिए... 186
करुणा निधान हो... 187
जगदंबे मां दुर्गा मुझे तेरा ही... 188
मुझे मां शरण में... 189
सावन की बरसे बदरिया... 190
तुमको अंबे करते नमन... 191
मां के अंग चोला साजे... 192
चिट्ठी माता के... 193
होती है मां की मुझ पे... 194
दुर्गे जी दुर्गे जी तेरे भक्तन... 195
शरण में आया हूं... 196
मिलता है सच्चा सुख... 197
पल विच मेहरां वाली... 198
मां मुरादें पूरी कर दे... 199
तेरे नाम ही से... 200
ओ जंगल के राजा... 201

तुझे चूड़ा पहनाऊं माता... 202
लगा दे मेरी मां किनारे... 203
चलो बुलावा आया है... 204
तू ही मां तू ही मां... 205

श्रीराम के भजन

प्रकट भए श्रीकंता 207
श्रीराम स्तुति 208
राम भज ले... 209
कभी तो जिंदगी में राम... 210
भक्ति की गंगा बहाते चलो... 211
रमा-रामा रटते-रटते... 212
आज दशरथ आंसुओं से... 213
भज ले प्यारे सांझ सवेरे... 214
थोड़ा कष्ट उठा करके... 215
सोच समझ ले रे मन मूरख... 216
मेरे राम सहारा बन जाओ... 217
दुनिया में तेरा है बड़ा नाम... 218
तेरी क्या बुआ लागे... 219
राम कहानी सुनो रे... 220
राम नाम बोल तेरा... 221
मेरे मन में भी राम... 222
तेरा राम जी करेंगे... 223
राम रस बरस्यो रे... 224
कैसे बैठा रे आलस में... 225
राम नाम के हीरे मोती... 226
राम से बड़ा राम का नाम... 227
एक राम भिखारी... 228
राम के चरणों में... 229
भजन करो भाई... 230
राम नाम के साबुन से... 231
प्रभु जी मेरे अवगुण... 232
कौशल्या के दुलारे राम... 233
राम नाम की लूट है... 234
राम नाम जो मनुआ... 235
प्रभु जी तुम चंदन... 236
ले लो राम नाम... 237
रघुनंदन प्यारे... 238
राम नाम सुखदाई... 239
कृपा इतनी करो भगवन... 240
खोया खोया है तूने... 241
मेरा मनवा क्यों घबरावे... 242
बसो मेरे हृदय में... 243
हमें लागी लगन... 244
सखी देखें हैं बनवासी... 245

हनुमान जी के भजन

पार करो मेरा बेड़ा ओ बाबा... 247
छोटा सा मंदिर बनाऊंगा... 248
मोह माया में... 249
बजरंग बली मुझ पर... 250
थारे सिर पर मुकुट बिराज रहो... 251
मेरे बाबा के दरबार में... 252
मेरा जनम-जनम का नाता... 253
मेरी नाव चली बजरंग बली... 254
मेरी आशा न तोड़ो... 255
हनुमान तुम्हारे मंदिर में 256
महावीर तुम्हारे द्वारे पर... 257
मेरे बाबा मैं तेरे... 258
जरा घूमने तो घाटे... 259
सज रहे घाटे वाले बाबा... 260
आना पवन कुमार... 261
मेरी लाज तुम्हारे हाथ... 262
मुझे बालाजी ले चलो कोई... 263
बालाजी दरबार तेरे... 264
मन हो जा दिवाना रे... 265
मेरा चोला रंग दो... 266
दरबार में घाटे वाले के... 267

सारी दुनिया मारे बोल...	268	लो आ गया बजरंग बाला...	301
तेरी झांकी बनी विशाल...	269	बालाजी हमारी अरज सुनना...	302
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में...	270	कैसी ये माया तेरी...	303
लहर लहर लहराए रे...	271	बाबा बजरंगी दर्श दिखा...	304
तुमको आना पड़ेगा...	272	बालाजी आ जाओ...	305
तेरे कहां लगो है बाण...	273	**साईं के भजन**	
कै बजरंग बाला ने...	274	साईं राम कृष्ण रहमान...	307
सांचो सांचो है तेरा दरबार...	275	दे दो प्रभु सहारा...	308
ध्यान करूं बजरंग बली...	276	बीचधार फंसी नैया मेरी...	309
माता सीता जी कह दो...	277	भंवर से पार कर देना...	310
जय राम भक्त हनुमान...	278	भंवर से पार करो...	311
प्रभु मन बसियो रे...	279	ना भक्ति ना भाव...	312
जलाय आय लंका...	280	रंग दे चुनरिया...	313
बाबा तेरे सहारे से...	281	जग में सुंदर हैं दो नाम...	314
सुन बालाजी महाराज...	282	मन के अंधियारे में...	315
मेरे मन लगन लगी है...	283	जो नर सुमिरन नित...	316
तेरे चरणों में लागा...	284	ज्ञान का दान प्रभु...	317
मुझे है काम बाबा से...	285	सुनो भगवन विनय...	318
मन रट हनुमान...	286	ओ3म् नाम ले जिह्वा...	319
पवन पुत्र हनुमान बोलो...	287	तुम स्वामी हो मैं दास...	320
भक्तों की पुकार है...	288	हम पाए तोसे...	321
बाबा होली खेलन आए...	289	करते जय-जयकार...	322
तार दिया सारा जमाना...	290	विराजो मोरे अंगना...	323
तुम्हारे दर पे ये बजरंगी...	291	सुख में भूला तू हरि...	324
हनुमान महिमा	292	तेरा मनवा क्यों घबराए...	325
छोड़ सारी दुनियां...	293	तू है सच्चा पिता...	326
बाबा के बिना बिगड़ी...	294	जीते लकड़ी मरते लकड़ी	327
मेरे भगवान आए हैं...	295	मंदिर में तेरे हे भगवन...	328
हम तो आए हैं बाबा...	296	बैठ अकेला दो घड़ी...	329
बालाजी बजरंगी बाबा...	297	वरना संभव है मैं भी...	330
मैं प्रेम पुजारी...	298	हुआ ध्यान में ईश्वर के...	331
हम आए तेरे द्वारे बाबा...	299	मोहे आन मिलो घनश्याम...	332
बाबा तुमसा दयालु नहीं...	300	हे दयामय हम सबों को...	333

गणेश जी
के भजन

गणेश वंदना

जय गणपति गज बदन षडानन
लंबोदर शंकर के लालन
सिद्ध सदन जै त्रिभुवन पावन
गल मुक्ता मणि माल सुहावन
एक दंत मूषक असवारी
दयावंत सबके हितकारी
सिंदूर बदन सुरग सुहावत
पान फूल सब लड्डू चढ़ावत
अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता
हरत कष्ट भक्तन सुखदाता

गणेश वंदना

गाइए गणपति जग वंदन।
शंकर सुवन भवानी के नंदन॥
सिद्धि सदन गजबदन विनायक।
कृपासिंधु सुंदर सब लायक॥
मोदक प्रिय मुद-मंगल दाता।
विद्या वारिधि बुद्धि विधाता॥
मांगत तुलसीदास कर जोरे।
बसहिं रामसिय मानस मोरे॥

गजानंद सरकार पधारो...

तर्ज—फूल तुम्हें भेजा है

गजानंद सरकार पधारो, कीर्तन की सब त्यारी है
आओ आओ, बेगा आओ, चाव दरश को भारी है
थे आओ जब काम बणैला, थां पर सारी बाजी है
रणत भंवर गढ़ वाला सुणल्यो, चिंता म्हारे लागी है
देर करो मत ना तरसाओ, चरणां अर्ज हमारी है
गजानंद सरकार पधारो...

रिद्धि सिद्धि ले संग आओ विनायक, द्यो दर्शन थारे भक्तां नै
भोग लगावां घोल लगावां, पुष्प चढावां थारे चरणां मै
गजानंद थारे हाथां मै, अब तो लाज हमारी है
गजानंद सरकार पधारो...

भक्तां की तो विनती सुण ली, शिव-सुत प्यारो आयो है
जय जयकार करो गणपति की, आकर मन हरषायो है
बरसैलो रस अब भजनां मै, आंगी महिमा न्यारी है
गजानंद सरकार पधारो...

गजानंद नाचे...

रुनक झुनक पग नेवर बाजे, गजानंद नाचे
गजानंद नाचे विनायक, गणपतजी नाचे

पिता तुम्हारा है शिवशंकर नंदीश्वर साजे
माता तुम्हारी पार्वती है सिंह चढ़ी गाजे
रुनक झुनक पग नेवर बाजे...

मूसक वाहन सुण्ड सुण्डाला, एकदंत साजे
गल पुष्पन को हार विराजे, कोटि काम लाजे
रुनक झुनक पग नेवर बाजे...

विघ्न विनाशक मंगल कारण, राजनपति बाजे
तुलसीदास गणपति न सुमरयां, दुख दारिद्र भाजे
रुनक झुनक पग नेवर बाजे...

संकट हरियो मेरा...

तर्ज—जहां डाल-डाल पे सोने की चिड़िया

यहां आज सभा में सबसे पहले, सुमिरन करता तेरा
प्रभु संकट हरियो मेरा, प्रभु संकट हरियो मेरा

तुम सब देवन में देव बड़े हो, पहले तुम्हें मनाते
संकट में आकर भक्तों की, तुम ही लाज बचाते
अब लाज आज रख मेरी भी, संकट ने मुझको घेरा
प्रभु संकट हरियो मेरा...

है मात तुम्हारी पार्वती, शंकरजी पिता कहाते
तुम मूषक चढ़ कर के आओ गणपति, तुम्हें तेरे भक्त बुलाते
अब आकर भोग लगाओ गणपति, बालक जान के तेरा
प्रभु संकट हरियो मेरा...

जो सच्चे मन से ध्यान करे, उसके काज बन जाते
जो नर ना करे पूजा तेरी, वो सफल नहीं हो पाते
प्रभु मस्त मंडल की लाज राख, तेरी शरण में डाला डेरा
प्रभु संकट हरियो मेरा...

प्रथम मनाना है...

गणपति को प्रथम मनाना है, उत्सव को सफल बनाना है
शिव पार्वती के प्यारे को, भक्तों के बीच बुलाना है

गणपति को प्रथम मनाने को, देवों ने रीत चलाई है
तीनों लोकों में छोटे बड़े, सब करते इनकी बड़ाई हैं
जो काम सभी करते आए, हमको भी वही दोहराना है
गणपति को प्रथम मनाना है...

कोई घृत सिंदूर चढ़ाते हैं, कोई मोदक भोग लगाते हैं
कोई मेवा थाल सजाते हैं, कोई छप्पन भोग बनाते हैं
जिस भोग से खुश होते गणपति, हमको वही लगाना है
गणपति को प्रथम मनाना है...

उत्सव में सभी पधारे हैं, बस इनका आना बाकी है
भक्तो मंगलाचार करो, इन्होंने आने की हां की है
गणपति का नाच बड़ा प्यारा, उत्सव में आज नचाना है
गणपति को प्रथम मनाना है...

राखो मेरी लाज...

गणपति राखो मेरी लाज
गणपति राखो मेरी लाज
पूरन कीजो मेरे काज
पूरन कीजो मेरे काज

सदा रहे खुशहाल गणपति
लाल जो प्रथम तुम्हें ध्याए
रिद्धि-सिद्धि के दाता भाग्य विधाता
वो तुझसे सब कुछ पाए
विनती सुन लो मेरी आज
गणपति राखो मेरी लाज, पूरन कीजो....

मूर्ख को देते ज्ञान सभा में मान
निर्बल भी बलशाली
गौरी के सुत प्यारे जगत के न्यारे
है तेरी शान निराली
तीनों लोक में तुम्हारा राज
गणपति राखो मेरी लाज, पूरन कीजो....

जिसके सिर पे हाथ हो तेरा नाथ
उसको फिर कैसा डर है
जपे जो तेरा नाम सुबह ओ शाम
तो उसका नाम अमर है
सब देवों के तुम सरताज
गणपति राखो मेरी लाज, पूरन कीजो...

ये तो गणपति हैं...

तर्ज—दिल तो पागल है

ये तो गणपति हैं रूप सुहाना है, इन्हें पहले पूजा जाता है
सभी जग इनकी महीमा गाता है, बिगड़ा हर काम बन जाता है
सिद्धि दिलाता है यही, रिद्धि दिलाता है
ये तो गणपति हैं...

प्यारी-प्यारी गौरी माता है, यही शंकर पुत्र कहलाता है
गजानंद ये कहलाता है, यही कार्तिक जी का भ्राता है
सिद्धि दिलाता है यही, रिद्धि दिलाता है
ये तो गणपति हैं...

गणपति की जो सेवा कर देंगे, झोली वे अपनी भर लेंगे
हर लेंगे उनके कष्ट सभी, वे भवसागर से तर लेंगे
इनकी स्तुति हम सब गाएं, तो चार पदारथ को पाएं
ज्ञान दें हमको, अज्ञान मिटें सब, मन सुख में सरसाए
ये तो गणपति हैं...

भक्तों पर करे मेहरबानियां, मिट जाती सभी परेशानियां
प्रभु सुनी परेशानियां भक्तों की, भक्तों की जुबानियां
ये तो गणपति हैं...

पूज के गणपति को...

पूज के गणपति को, काम बने हैं
भैया काम बने हैं, इनको शीश तो झुका
दुखियारे भैया

है जग-वंदित ये, वेद में लिखी है
वेद में लिखी है, महिमा वेद में लिखी है
अपनी व्यथा तो सुना, दुखियारे भैया
पूज के गणपति को...

मां गौरी के लाल ये, मंगल रूप निधान हैं
शंकर भोले हैं पिता, सुर करते गुणगान हैं
विघ्न कटें, बिगड़ी बने, ऐसे मंगल धाम हैं
पहले इनको पूज के, सिद्ध होते सब काम हैं
पाएगा संपत्ति को, धाम मिले है
भैया काम बने है, इनको मन की बता
दुखियारे भैया! पूज के गणपति को...

सुरमुनि और असुर नर, महिमा करे बखान है
बुद्धि विधाता, सिद्धिदाता, इनके नहीं समान है
शुभ कामों में आप ही, पूजा पहले पाते हैं
दुख-भंजन गिरिजा-नंदन, काम निर्विघ्न कराते हैं
है जगवंदित ये, नाम बताया 'प्रभुजी'
'प्रभुजी' नाम बताया जग में
ये करेंगे दया, दुखियारे भैया
पूज के गणपति को...

ये आस लगा रहे हैं...

गजानंद की मैया तेरे दर्शन पाएं
ये आस लगा रहे हैं...

अड़क में गजानंद राजे, कर में त्रिशूल सोहे साथ रे
नाव पड़ी मझधार में मैया मुझे नहीं खिवैया
ये आस लगा रहे हैं...

संग में भोले बाबा डमरू त्रिशूल सोहे हाथ रे
वास कैलाश है मैया, भस्मी रमाए भोले नाथ रे
रूप है इनका अजब निराला बच्चे भरमाए
ये आस लगा रहे हैं...

पार्वती के गुण प्रेम सहित जो नर गाएगा
गौरी के चरणों की भक्ति वो निश्चय ही पाएगा
हम सब तेरी महिमा गाएं, साथ शीश झुकाए
ये आस लगा रहे हैं...

गणेश जी की आरती

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा
जय गणेश...

एक दंत दयावंत चार भुजाधारी
माथे पे सिंदूर सोहे मूसे की सवारी। जय गणेश...

अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया। जय गणेश...

हार चढ़ै फूल चढ़ै और चढ़ै मेवा
लड्डुअन का भोग लागे संत करे सेवा। जय गणेश...

दीनन की लाज राखो शंभु सुत वारी
पूरन सब काज करौ जाएं बलिहारी। जय गणेश...

कृष्ण जी के भजन

श्याम हमारे घर आ जाना...

आ जाना, आ जाना, आ जाना
जब भूख लगे तुम्हें श्याम, हमारे घर आ जाना
खा जाना, खा जाना, खा जाना
माखन आ के सुबह-शाम, हमारे घर खा जाना
आ जाना...

पनघट पर भरने जाऊं जब पानी
गगरी मेरी तुम्हें होगी उचवानी
हंस के-हंस के बातें बना के, मुरली पड़ेगी सुनानी
करने भी होंगे मेरे काम, हमारे घर आ जाना
खा जाना...

करनी ना होगी तुम्हें माखन की चोरी
कोई शिकायत करे न ब्रज की गोरी
ग्वालन के संग में, रोको न पग में
मटकी न जाएगी फोरी
तंग करना न कोई ब्रजवाम, हमारे घर आ जाना
आ जाना...

सोने की थाली में भोजन कराऊं
गंगा जल झाड़ी रखूं बीड़ा खिलाऊं
सेज बिछा के, तकिया लगाऊं
प्रेम से तुम कूं सुलाके, 'प्रभु' दाबुंगी धीरे-धीरे पाम
हमारे घर आ जाना
खा जाना...

तेरा मचले जो मन...

तर्ज—मैं तो रस्ते से जा रहा था

मैं तो मधुबन को जा रहा था
मैं तो वंशी बजा रहा था
मैं तो किसी को बुला रहा था
हो मधुबन को जा रहा था
वंशी बजा रहा था
किसी को बुला रहा था
तेरा मचले जो मन तो मैं क्या करूं

मैं तो मथुरा को जा रही थी
मैं तो माखन ले जा रही थी
मैं तो बेचने ले जा रही थी
हो मथुरा को जा रही थी
माखन ले जा रही थी
बेचने को जा रही थी
तेरा मन जो जले तो मैं क्या करूं
मैं तो मधुबन को... मैं तो मथुरा को...

मथुरा को सौ बार जाना
मेरे दान को पहले चुकाना
न देना तो ऐसा बताना
माखन तेरा है लुटवाना
रोज तू बहाने कर साफ बचती है
मुझको लुभाने के ढोंग रचती है

मैं तो गौंए चरा रहा था
मैं तो पनघट को जा रहा था
मैं तो लीला दिखा रहा था
हो, गौएं चरा रहा था
पनघट को जा रहा था
लीला दिखा रहा था
तेरा मचले जो मन तो मैं क्या करूं...

आज अपने हाथों से माखन खिलाऊंगी
प्रीत में तेरी चुनरिया रंगाऊंगी
मैं तो झूठेई बना रही थी
मैं तो पास तेरे आ रही थी
मैं तो माखन भी ला रही थी
हो झुठेई बना रही थी
पास तेरे आ रही थी
माखन भी ला रही थी
'प्रभु' समझे नहीं तो मैं क्या करूं
मैं तो मधु...

छोटी-छोटी गइयां...

छोटी-छोटी गइयां छोटे-छोटे ग्वाल
छोटो सो मेरो मदन गोपाल
आगे-आगे गइयां पीछे-पीछे ग्वाल
बीच में मेरो मदन गोपाल
छोटी-छोटी गइयां...

काली-काली गइयां गोरे-गोरे ग्वाल
श्याम वदन मेरो मदन गोपाल
छोटी-छोटी गइयां छोटे-छोटे ग्वाल
छोटो-सो मेरो मदन गोपाल
घास खाएं गइयां दूध पीवे ग्वाल
माखन खावे मेरो मदन गोपाल
छोटी-छोटी गइयां...

छोटी-छोटी लकुटी छोटे-छोटे हाथ
बंसी बजावे मेरो मदन गोपाल
छोटी-छोटी गइयां छोटे-छोटे ग्वाल
छोटो सो मेरो मदन गोपाल
छोटी-छोटी सखियां मधुबन बाग
रास रचावे मेरो मदन गोपाल
छोटी-छोटी गइयां छोटे-छोटे ग्वाल
छोटो सो मेरो मदन गोपाल

ये तो प्रेम की बात है...

ये तो प्रेम की बात है ऊधौ
बंदगी तेरे बस की नहीं है
यहां सर दे के होते हैं सौदे
आशिकी इतनी सस्ती नहीं है
ये तो प्रेम की बात है...

प्रेम वालों ने कब वक्त पूछा
उनकी पूजा में सुन ले ओ ऊधौ
यहां दम-दम में होती है पूजा
सर झुकाने की फुरसत नहीं है
ये तो प्रेम की बात है...

जो असल में है मस्ती में डूबे
उन्हें क्या परवाह जिंदगी की
जो उतरती है चढ़ती है मस्ती
वो हकीकत में मस्ती नहीं है
ये तो प्रेम की बात है...

जिसकी नजरों में हैं श्याम प्यारे
वो तो रहते हैं जग से न्यारे
जिसकी नजरों में मोहन समाए
वो नजर फिर तरसती नहीं है
ये तो प्रेम की बात है...

रात श्याम सपने में...

रात श्याम सपने में आए
मेरे दही पी गए सर र र

जब ही श्याम मेरी खिड़की खोली
खिड़की कर गई चर र र
रात श्याम...

जब ही श्याम मेरी बहियां पकड़ी
बहियां कर गई तर र र
रात श्याम...

जब ही श्याम मेरो माखन खायो
मटकी फोड़ी कर र र
रात श्याम...

जब ही श्याम मेरी चुनर झटकी
चुनर उड़ गई फर र र
रात श्याम...

चंद्र सखी भज बाल कृष्ण छवि
भव से तर जाए तर र र
रात श्याम...

रात श्याम सपने में आए
मेरे दही पी गए सर र र

देखो आज भयो ललना...

है आनंद नंदबाबा के द्वारे चलना
देखो आज भयो ललना-ललना-ललना

शुभ घड़ी देखो है कैसी आई
बज रही आज घर-घर बधाई
जिसने भी यह खबर सुनी है पड़ी उसे कल ना
देखो आज भयो ललना-ललना-ललना

मानो सुर गणेश सब मन में सिहाए
यानी सब करने दर्शन हैं आए
जिसने भी ये खबर सुनी है पड़ी उसे कल ना
देखो आज भयो ललना-ललना

बड़ा नटखट है...

बड़ा नटखट है मां तेरा नंदकिशोर
गलियन-गलियन घूमे दधि खाए माखन चोर

तेरा ये लाल मय्या रार मचावे
रोज-रोज कुंजन में आन सतावै
नंद नंदन के आगे चले ना कोई जोर

वृंदावन में रास रचाए
मुरली बजा के श्याम दिल को लुभाए
धुन सुन करके सखियों के मन में उठे हिलोर
बड़ा नटखट है...

नृत्य करत है नंद को लाला
मन का उजला तन का काला
मन कुंजन में मेरे मोर मचावै शोर
बड़ा नटखट है...

कोई नहीं बम बम का सहारा
जंगू ने रो रो करके सबको पुकारा
प्रेम के चरणों में है मेरी डोर
बड़ा नटखट है...

होरी खेले राधा...

बड़ा नटखट है मां तेरा नंदकिशोर
होरी खेले राधा संग नटखट नंदकिशोर

ओढ़ के आई कान्हा नई रे चुंदरिया
भर पिचकारी मेरे मारो न संवरिया
भर पिचकारी मारी और कर दीनी सराबोर
होरी रे...

उड़त गुलाल श्याम लाल भए बदरा
राधा की आंखन को बिगड़ो है कजरा
ननद देय मोय तानो घर सास करे सोर
होरी रे...

गैल हमारी रोके न मुरारी
भर पिचकारी मेरी चोरी पै मारी
दधि बेचन को आई मोय घेर लई है भोर
होरी रे...

ग्वाल बाल सब खेलत होरी
सखियों के मुख पर मल दई रोरी
देख के ब्रज की होली घनसो मन उठे हिलोर
होरी रे...

वृंदावन का कृष्ण कन्हैया...

वृंदावन का कृष्ण कन्हैया
सबकी आंखों का तारा
मन ही मन क्यों जले राधिका
मोहन तो है सब का प्यारा
वृंदावन...

जमुना तट पर नंद का लाला
जब जब रास रचाए रे
तन-मन डोले कान्हा ऐसी
वंशी मधुर बजाए रे
सुध-बुध खोए खड़ी गोपियां
जाने कैसा जादू डारा
वृंदावन का...

रंग सलोना ऐसा जैसे
छाई बदरिया सावन की
ऐरी मैं तो हुई दीवानी
सावन के मन भावन की
तेरे कारण देख बावरे,
छोड़ दिया मैंने जग सारा
वृंदावन का...

श्याम तेरी बंसी...

श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम
लोग करें मीरा को यूं ही बदनाम
सांवरे की बंसी को बजने से काम
राधा का भी श्याम वो तो मीरा का भी श्याम

यमुना की लहरें बंसी बट की छइयां
किसका नहीं है कहो कृष्ण कन्हैया
है श्याम का दीवाना तो सारा ब्रजधाम
लोग करें...

कौन जाने बासुरियां किसको बुलाए
जिसके मन भाए वो उसी के गुण गाए
कौन नहीं वंशी की धुन का गुलाम
लोग करें मीरा को यूं ही बदनाम...

बड़ा नटखट है रे...

बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया
का करे यशोदा मैया होऽऽ, बड़ा नटखट है...

ढूंढें री अखियां उसे चहुं ओर
जाने कहां छिप गया नंद किशोर
उड़ गयो ऐसे जैसे पुरवैया
का करे यशोदा...

आ तोहे मैं गले से लगा लूं
लागे न किसी की नजर मन में छुपा लूं
धूप जगत है रे ममता है छैयां
का करे यशोदा...

मेरे जीवन का तू एक ही सपना
जो कोई देखे तोहे समझे वो अपना
सबका है प्यारा, हां सबका है प्यारा बंसी बजैया
का करे यशोदा...

तोरा मन दर्पण...

तोरा मन दर्पण कहलाए
भले बुरे सारे कर्मों को देखे और दिखाए
तेरा मन दर्पण कहलाए...

मन ही देवता, मन ही ईश्वर, मन से बड़ा न कोय
मन उजियारा जब-जब फैले जग उजियारा होय
इस उजले दर्पण पे प्राणी धूल न जमने पाए
तोरा मन दर्पण कहलाए...

सुख की कलियां दुख के कांटे मन सबका आधार
मन से कोई बात छिपे ना मन के नैन हजार
जग से कोई भाग ले चाहे, मन से भाग न पाए
तोरा मन दर्पण कहलाए...

तप की दौलत ढलती छाया मन का धन अनमोल
तन के कारण मन के धन को मत माटी में रोल
मन की कदर भुलाने वाला हीरा-जन्म गंवाए
तोरा मन दर्पण कहलाए...

श्याम-राधे कोई...

श्याम-राधे कोई न कहता, कहते राधे श्याम
जन्म-जन्म के भाग्य जगा दे, एक राधा का नाम
राधा के बिना श्याम आधा, कहते राधे श्याम
जन्म-जन्म के भाग्य जगा दे, एक राधा का नाम
बोलो राधे बोलो राधे, बोलो राधे बोलो राधे

व्यर्थ पड़ी माला बिन मोती, व्यर्थ रही दीप बिन ज्योति
चंदा बिन चांदनी कैसी, सूरज बिन धूप न होती
बिन राधा के कहां है पूरा, नटवर नागर का नाम
बोलो राधे...

साथ है जैसे जल की धारा, साथ है जैसे नदी किनारा
साथ है जैसे नील गगन के सूरज चंदा तारा-तारा
वैसे इनके बिना अधूरा, मन वृंदावन धाम
बोलो राधे...

श्री राधा को जिसने भुलाया, उसने अपना जनम गंवाया
धन्य हुई वाणी वो जिसने, राधे श्याम नाम है गाया
उनका सुमिरन करे बिना, कब मिलता है विश्राम
बोलो राधे...

चांदी की दीवार...

चांदी की दीवार को तोड़ा, मीरा ने घर छोड़ दिया
इक धनवान की बेटी ने, गिरधर से नाता जोड़ लिया
चांदी की दीवार...
नाचे गाए मीराबाई, लेकर मन का इक तारा
पग में घुंघरू, गल में माला, भेष जोगिया धारा
राणा कुल की आन बान को, मीरा जी ने तोड़ दिया
चांदी की दीवार...
भक्ति ज्ञान था इकतारा में, हर घुंघरू में नाद भरा
हर गायन में बसे कन्हैया, भक्ति भाव का स्वाद भरा
ज्योति से ज्योति मिला ली उसने, सबसे नाता तोड़ दिया
चांदी की दीवार...
सास कहे कुल नासी मीरा, लागे गले में फांसी रे
कैसे जीना होगा मेरा, जग करता है हांसी रे
मन के पिया जोगनियां ने, तन के पिया को छोड़ दिया
चांदी की दीवार...
सांप पिटारा राणा भेजा, हार मौत के सूलों का
हंसकर के मीरा ने पहना, हार बन गया फूलों का
प्रेम दीवानी मीरा देखो, मोह का बंधन तोड़ दिया
चांदी की दीवार...
पी गई मीराबाई देखो, राणा के विष का प्याला
कौन बिगाड़ सका उसका, जिसका गिरधर रखवाला
गिरधर के रंग में मीरा ने, जग से नाता तोड़ दिया
चांदी की दीवार...
श्याम शरण में जो जाते हैं, श्याम के वो बन जाते हैं
भक्त दयालु ईश भजन में मीरा के गुण गाते हैं
भवसागर से तर गई मीरा, देह का बंधन तोड़ दिया
चांदी की दीवार...

गोपाला तेरा प्यारा नाम है...

श्री राधे गोविंदा, गोपाला तेरा प्यारा नाम है।
गोपाला तेरा प्यारा नाम है, नंदलाला तेरा प्यारा नाम है॥ टेर॥

मोर मुकुट माथे तिलक विराजे,
गल वैजंती माला
कोई कहे वसुदेव के नंदन,
कोई कहे नंदलाला
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
जमुना किनारे कृष्ण कन्हैया,
मुरली मधुर बजावे
ग्वाल बाल के संग में कान्हा,
माखन मिश्री खावे
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
चुरा-चुरा नित माखन खाकर,
माखन चोर कहाए
वृंदावन में रास रचाकर,
गोपियन के मन भाए
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
अर्जुन का रथ तुमने हांका,
भारत भई लड़ाई
नाम को लेकर विष को पी गई,
देखो मीरा बाई
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
द्रौपदी ने जब तुम्हें पुकारा,
साड़ी आन बढ़ाई
भक्तों की खातिर आप बने,

प्रभु आकर नंदा नाई
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
जल में गण को गाह ने घेरा,
जल में चक्र चलाए
जब-जब भीर पड़ी भक्तों पर,
नंगे पांवों आए
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
दुर्योधन के मेवा त्यागे,
साग विदुर घर खाए
ऐसे प्रेम पुजारी प्रभुजी,
भक्तों के मन भाए
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
इंद्र कोप कियो ब्रज ऊपर,
नख पर गिरवर धारयो
माता-पिता की बंदी छुड़ाकर,
मामा कंस को मारयो
गोपाला तेरा प्यारा नाम...
नरसी के सब कारज सारे,
मुझको मत बिसरायो
जन्म-जन्म का तेरा सेवक,
तेरा ही नाम पुकारयो
गोपाला तेरा प्यारा नाम...

बड़ी देर भई नंदलाला...

बड़ी देर भई नंदलाला,
तेरी राह तके ब्रजबाला
ग्वाल बाल एक-एक से पूछें,
कहां है मुरली वाला रे॥ टेर॥

कोई न जाए कुंज गलिन में,
तुझ बिन कलियां चुनने को
तरस रहे हैंऽऽ जमुना के तट,
धुन मुरली की सुनने को
अब तो दरश दिखा दे रे नटखट,
क्यों दुविधा में डाला रे
बड़ी देर भई....

संकट में है आज वो धरती,
जिस पर तूने जन्म लिया
पूरा कर देऽऽऽ आज वचन वो,
गीता में जो तूने दिया
कोई नहीं है तुझ बिन मोहन,
भारत का रखवाला रे
बड़ी देर भई...

दर्शन दो घनश्याम...

दर्शन दो घनश्याम, नाथ मेरी अंखियां प्यासी रे।
मन मंदिर की ज्योति जगा दो, घट-घट वासी रे॥ टेर॥

मंदिर-मंदिर मूरत तेरी, फिर भी न दीखे सूरत तेरी
यह शुभ बेला आई मिलन की पूरणमासी रे
दर्शन दो घनश्याम...

द्वार दया का जब तू खोले, पंचम सुर में गूंगा बोले
अंधा देखे, लंगड़ा चलकर, पहुंचे काशी रे
दर्शन दो घनश्याम...

पानी पीकर प्यास बुझाऊं, नैनन को कैसे समझाऊं
आंख मिचौली अब तो छोड़ो, मन के वासी रे
दर्शन दो घनश्याम...

सांवरे से मिलने का...

सांवरे से मिलने का सत्संग ही बहाना है।
जबसे तेरी लगन लगी दिल हो गया दिवाना है॥ टेर॥

मीरा पुकार रही, आ जाओ मेरे बनवारी
जहर के प्याले को अमृत बनाना है
सांवरे से मिलने का...

द्रौपदी पुकार रही, आ जाओ मेरे बनवारी
सभा में आकर मेरी लाज बचाना है
सांवरे से मिलने का...

शबरी पुकार रही, आ जाओ मेरे बनवारी
खट्टे-मिट्ठे बेरों का भोग लगाना है
सांवरे से मिलने का...

भक्त पुकार रहा, आ जाओ मेरे बनवारी
रास रचाकर, आनंद लुटाना है
सांवरे से मिलने का...

राधे-राधे रटो...

राधे-राधे रटो, चले आएंगे बिहारी।
आएंगे बिहारी, चले आएंगे बिहारी॥ टेर॥

राधा मेरी चंदा, चकोर हैं बिहारी
राधे-राधे रटो, चले आएंगे बिहारी

राधा-रानी मिश्री, तो स्वाद हैं बिहारी
राधे-राधे रटो, चले आएंगे बिहारी

राधा मेरी गंगा, तो धार हैं बिहारी
राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी

राधा-रानी तन हैं, तो प्राण हैं बिहारी
राधे-राधे रटो, चले आएंगे बिहारी

राधा-रानी सागर, तरंग हैं बिहारी
राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी

राधा-रानी मोहनी, तो मोहन बिहारी
राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी

राधा-रानी भोली-भाली, तो चंचल हैं बिहारी
राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी

राधा-रानी पैंजनी, तो कंगन हैं बिहारी
राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी

राधा-रानी मुरली, तो तान हैं बिहारी
राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी

राधा मेरी गोरी, तो सांवरे बिहारी
राधे-राधे रटो चले आएंगे बिहारी

श्याम पिया मोरी...

श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया
कृष्ण पिया मोरी रंग दे चुनरिया ॥ टेर ॥

ऐसी रंग दे के रंग नाही छूटे, ओऽऽ
धोबिया धोए चाहे सारी उमरिया
श्याम पिया...

लाल न रंगाऊं मैं, हरी न रंगाऊं, ओऽऽ
अपने ही रंग में, रंग दे चुनरिया
श्याम पिया...

गागर भर दे सर पर रख दे, ओऽऽ
बीत ही जाए चाहे सारी उमरिया
श्याम पिया...

बिना रंगाए मैं तो, घर नहीं जाऊंगी, ओऽऽ
श्याम चरणों में, मोरी लागी नजरिया
श्याम पिया...

चले आना प्रभु जी...

कभी राम बनके, कभी श्याम बनके चले आना
प्रभु जी चले आना ॥ टेक ॥

तुम राम रूप में आना
सीता साथ लेके धनुष हाथ लेके
चले आना प्रभु जी चले आना...

तुम श्याम रूप में आना
राधा साथ लेके वंशी हाथ लेके
चले आना प्रभु जी चले आना...

तुम शिव रूप में आना
गौरा साथ लेके डमरू हाथ लेके
चले आना प्रभुजी चले आना...

तुम विष्णु रूप में आना
लक्ष्मी साथ लेके चक्र हाथ लेके
चले आना प्रभु जी चले आना...

तुम गणपति रूप में आना
रिद्धि साथ लेके सिद्धि साथ लेके
चले आना प्रभु जी चले आना...

गुलाम तेरो बनवारी...

सुन बरसाने वाली गुलाम तेरो बनवारी
तेरी पायलिया पे, बाजे मुरलिया
छम-छम नाचे गिरधारी
गुलाम तेरो बनवारी...

चंद्र की आनन पे बड़ी-बड़ी अखियां
लट लटके घुंघराली
गुलाम तेरो बनवारी...

बड़ी-बड़ी अखियों में झीनो-झीनो कजरा
घायल कुंज बिहारी
गुलाम तेरो बनवारी...

वृंदावन के राजा होकर
छाछ पे नाचे मुरारी
गुलाम तेरो बनवारी...

वृंदावन की कुंज गलिन में
रास रची गिरधारी
गुलाम तेरो बनवारी...

कदम की डार में झूलो पड़ो है
झोटा देवे बिहारी
गुलाम तेरो बनवारी...

कृष्ण जिनका नाम है...

कृष्ण जिनका नाम है, गोकुल जिनका गांव है
ऐसे श्री भगवान को, बारंबार प्रणाम है

यशोदा जिनकी मैया है नंद जू बपय्या है
ऐसे श्री गोपाल को, बारंबार प्रणाम है
कृष्ण जिनका नाम है...

लूट-लूट दही माखन खाने ग्वालन के संग धेनू चरावे
ऐसे लीला धाम को, बारंबार प्रणाम है
कृष्ण जिनका नाम है...

द्रुपद सुता की लाज बचायो ग्राह से गज का फंद छुड़ायो
ऐसे कृपा निधान को बारंबार प्रणाम है
कृष्ण जिनका नाम है...

सबसे ऊंची प्रेम सगाई...

सबसे ऊंची प्रेम सगाई
सबसे ऊंची प्रेम सगाई
दुर्योधन की मेवा त्यागी, साग विदुर घर खाई
दुर्योधन की मेवा त्यागी, साग विदुर घर खाई
सबसे ऊंची...

जूठे फल शबरी के खाए, प्रेम विवश रघुराई
जूठे फल शबरी के खाए, प्रेम विवश रघुराई
सबसे ऊंची...

प्रेम के वश अर्जुन रथ हांका, भूल गए ठकुराई
प्रेम के वश अर्जुन रथ हांका, भूल गए ठकुराई
सबसे ऊंची...

ऐसी प्रीत बढ़ी वृंदावन, गोपियन नाच नचाई
ऐसी प्रीत बढ़ी वृंदावन, गोपियन नाच नचाई
सबसे ऊंची...

तेरे पूजन को भगवान...

तेरे पूजन को भगवान
बना मन मंदिर आलीशान
किसने जानी तेरी माया
किसने भेद तुम्हारा पाया
हारे ऋषि मुनि धर ध्यान
बना मन मंदिर आलीशान

तू ही जल में तू ही थल में
तू ही तन में तू ही मन में
तेरा रूप अनूप महान
बना मन...

तू हर गुल में तू बुलबुल में
तू हर डाल के हर पातन में
तू हर दिल में मूरतिमान
बना मन...

तूने राजा रंक बनाए
तूने भिक्षुक राज बिठाए
तेरी लीला अजब महान
बना मन...

झूठे जग की झूठी माया
मूरख उसमें क्यों भरमाया
कर कुछ जीवन का कल्याण
बना मन...

बंसी वाले ने घेर लई...

बंसी वाले ने घेर लई, अकेली पनियां गई
सिर पर घड़ा घड़े पर गगरी
गगरी मेरी तोड़ दई अकेली पनियां गई
बंसी वाले ने...

हरी-हरी चूड़ियां गोरी-गोरी बइयां
मोतिन मांग भरी, अकेली पनियां गई
बंसी वाले ने...

हार मेरा टूटा सिंगार मेरा भीगा
मेरी चूंदर फाड़ दई, अकेली पनियां गई
बंसी वाले ने...

सास ननद मोय बुरी बतावें
मेरो बाई से लगन लगी, अकेली पनियां गई
बंसी वाले ने...

राधा ना बोले ना बोले...

राधा ना बोले ना बोले ना बोले रे
घूंघट के पट ना खोले रे, राधा...

राधा की लाज भरी अंखियों के डोरे
देखो जी देखें सब गोकुल के छोरे
देखो मोहन का मनवा डोरे रे
राधा ना...

याद करो जमुना किनारे सांवरिया
फोड़ी थी राधा की काहे गगरिया
इस कारण न बोले रे
राधा ना...

रूठी हुई यूं न मानेगी छलिया
चरणों में राधा के रख दी मुरलिया
बात बन जाएगी हौले-हौले रे
राधा ना...

कन्हैया-कन्हैया तुझे...

कन्हैया-कन्हैया तुझे आना पड़ेगा
वचन गीता वाला निभाना पड़ेगा

गोकुल में आ या मथुरा में आ
छवि प्यारी-प्यारी कहीं तो दिखा
अरे सांवरे देख आके जरा
सूनी-सूनी पड़ी है तेरी द्वारिका
कन्हैया तुझे...

जमुना के पानी में हलचल नहीं
मधुबन में पहला सा जल-थल नहीं
वही कुंज गलियां वही गोपियां
छलकती मगर कोई गागर नहीं
कन्हैया तुझे...

कोई तेरी मैया का वाली नहीं
अमानत ये तेरी संभाली नहीं
कई कंस भारत में पैदा हुए
कन्हैया तेरे जैसा तो कोई नहीं
कन्हैया तुझे...

हरे कृष्ण हरे मुरारी जय जय गोवर्धन गिरधारी

मैया मोरी मैं नहीं माखन...

मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो
माखन है ही कहां गोकुल में जो लेहूं खाय
पूछ न उनसे जाके मैया नित ढोकर ले जाय
ओ पावन गोरस से अंग धुलते सुनके मैं दुख पायो
सुनके दुख पायो मैं नहीं माखन खायो...

नीर लिए पंछी के मैया नदिया सूख न पाए
पर व्याकुल हो प्यास के पंछी तट पर शोर मचाए
ओ आग लगी है जल के माहीं
देख के मैं नहीं भरमायो
देख के मैं नहीं भरमायो माखन...

मोहे पनघट पे...

मोहे पनघट पे नंदलाल छेड़ गयो रे
मोरी नाजुक कलइयां मरोड़ गयो रे

कंकरी मोहे मारी गगरिया फोर डाली
मेरी साड़ी, अनारी भिगोय गयो रे
मोहे पनघट पे...

नयनों से जादू किया जियरा मोह लिया
मेरा घूंघटा नजरियों से तोड़ गयो रे
मोह पनघट पे...

तुम्हीं हो नैया...

तुम्हीं हो नैया, तुम ही खिवैया
तुम्हीं कहाए जग के रचैया
तुम्हीं हो नैया, तुम ही खिवैया
तुम्हीं कहाए...

हरण हुआ था जब द्रौपदी का
लाज बचाई तुम्हीं कन्हैया
भरी सभा को किया अचंभित
तुम्हीं कहाए जग के रचैया
तुम्हीं हो नैया, तुम ही खिवैया...

प्रहलाद को दण्ड मृत्यु मिला जब
जीवन बचाया तुम्हीं कन्हैया
वरदान झूठा किया होलिका
तुम्हीं कहाए जग के रचैया
तुम्हीं हो नैया, तुम ही खिवैया...

कंस के अत्याचार, दुखी जन
शक्ति से अपने मारा कन्हैया
अहं तोड़ डाला, तुम्हीं कंस का
तुम्हीं कहाए जग के रचैया
तुम्हीं हो नैया, तुम्हीं खिवैया
तुम्हीं कहाए जग के रचैया
तुम्हीं हो नैया, तुम्हीं खिवैया
तुम्हीं कहाए जग के रचैया

करो कृपा ना कर देरी...

करो कृपा ना कर देरी
फंसी नैया हमारी है
बढ़ाया चीर द्रौपदी का
सभा में लाज जाती थी
पुकारा एक क्षण उसने
बचाई लाज तुम ने ही
करो कृपा, ना कर देरी...

बंधे प्रहलाद खंभे से
जान उनकी चली जाती
भक्त पर कर दया प्रभु जी
बचाई जान तुमने ही
करो कृपा, ना कर देरी...

लगाया कंठ मीरा ने
पिया विष ध्यान तेरा कर
रहा ना विष, बना अमृत
करी लीला ये तुमने ही
करो कृपा, ना कर देरी...

फंसी बीचधार में नैया
अथाह जल से भरी नदियां
लगाए टेर हम प्रभु को
दिया ये ज्ञान तुमने ही
करो कृपा ना कर देरी
फंसी नैया हमारी है

मन बस गई मूरत...

सूरत नहीं देखी श्याम की
मन बस गई मूरत श्याम की

कजरारे नयन काजल से भरे
रंग श्यामल है घुंघराले केश
मस्तक पर साजे मोर मुकुट
कानों में कुंडल रतन जड़े
मन बस गई सूरत श्याम की

उन पीत पीतांबर तन सोहे
गल मोतिन माला साज रही
मन बस गई मूरत श्याम की

है साथ लिए राधे रानी
अधरों पे मुरली साज रही
मन बस गई मूरत श्याम की

सूरत नहीं देखी श्याम की
मन बस गई मूरत श्याम की

भज गोविंद गोविंद...

भज गोविंद गोविंद गोपाला
मन भज ले प्यारा नंदलाला ॥ टेर ॥

जो राधे जी के प्राण बसे
उस नाग नथैया गोपाला
भज गोविंद गोविंद गोपाला
मन भज ले प्यारा नंदलाला

जिन बाट ताकतीं बृजबाला
उन रास रचैया गोपाला
भज गोविंद गोविंद गोपाला
मन भज...

जिन द्रौपदी लाज बचाई
उन लाज रखैया गोपाला
भज गोविंद गोविंद गोपाला
मन भज ले प्यारा नंदलाला

जिनकी महिमा अद्भुत जग में
उन लीलाधारी गोपाला
भज गोविंद गोविंद गोपाला
मन भज ले प्यारा नंदलाला

जिन चरनन मुक्ति पाई है
उन मात यशोदा गोपाला
भज गोविंद गोविंद गोपाला
मन भज ले प्यारा नंदलाला

मुरली वाले आन कर...

मुरली वाले आन कर मुरली सुना
मन हुआ बेचैन, मुरली ध्वनि बिना ॥ टेर ॥

गोपियां हैं सुस्त और अंसुअन झड़ी
क्यों सताते हो श्याम खावो तरस
मुरली वाले...

राधे बौराई पुकारे सांवरे
प्रीति कर मैं फंस गई झूठे भरम
मुरली वाले...

मात यशुदा हो रही बेहाल हैं
पूत धोखा दे गया, फूटे करम
मुरली वाले...

उजड़ा मधुबन, झर गए सब पुष्प हैं
घास बिन, जाती नहीं गऊएं चरन
मुरली वाले...

भज गोविंद गोपाला...

भज गोविंद गोपाला हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि, भज गोविंद...

भज नंद के लाला हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि
भज गोविंद...

भज यशोदा दुलारा हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि
भज गोविंद...

भज राधे गोपाला हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि
भज गोविंद...

भज कुंज बिहारी हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि
भज गोविंद...

भज गिरिवर उठैया हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि
भज गोविंद...

भज धेनु चरैया हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि
भज गोविंद...

भज नाग नथैया हरि हरि
हरि हरि भज हरि हरि
भज गोविंद...

मुरली सुना के...

मुरली सुना के मन तड़पा के, चले नहीं जाना
ओ श्याम चले नहीं जाना

जाओगे जाने ना दूंगी, मुरली मैं छीन लूंगी
मुरली मैं छीन लूंगी
पाओगे मुरली तुम कैसे, कभी ना दूंगी
मुरली सुनाके...

सखियां बुलाके कान्हा रोकूं डगर मैं तेरी
रोकूं डगर मैं तेरी
नहीं चलेगी चतुराई, उलझो ना मोसे
मुरली सुना के...

तेरी रुसवाई कान्हा, सह ना सकेगी राधे
सह ना सकेगी राधे
प्रीति करी है श्याम तोसे छूटे ये नाहीं
मुरली सुनाके, मन तड़पाके, चले नहीं जाना
ओ श्याम चले नहीं जाना...

कान्हा आई शरण तुम्हारी...

कान्हा आई शरण तुम्हारी
मैं चरनन शीश नवाती हूं
दुख दूर किए जन जन के तुम
दुख दूर हमारे भी कर दो
मेरे ताप हरो, संताप हरो
मैं चरनन शीश नवाती हूं
कान्हा आई...

बीच भंवर फंसे उस पार किए
हम को भी पार लगाओ तुम
मेरे पाप हरो अपराध हरो
मैं चरनन शीश नवाती हूं
कान्हा आई...

जिन राम भजे, उन तार दियो
हमको भी तारो चरण पड़े
मेरे मीत बनो, दुख हनन करो
मैं चरनन शीश नवाती हूं
कान्हा आई शरण तुम्हारी
मैं चरनन शीश नवाती हूं

कान्हा बंसी बजावे...

कान्हा बंसी बजावे सखि मधुबन में
मेरे कसक उठी है तन मन में
कान्हा बंसी...

कान्हा अधर मुरलिया सजाई है
चलो मुरली सुनें, सखि मधुबन में
मेरे कसक...

राधे हुई है निहाल, पहुंची मधुबन के द्वार
चलो देखें कन्हाई, सखि मधुबन में
मेरे कसक...

सुनी मुरली की तान, हमें दीखें नहीं श्याम
चलो ढूंढ़ें कन्हाई, सखि मधुबन में
मेरे कसक...

दिखलावे चतुराई, बना ढीठ कन्हाई
चलो धरना घेर, सखि मधुबन में
मेरे कसक...

मैं पागल हो गई श्याम...

मैं पागल हो गई श्याम सुनी मैंने तेरी बांसुरिया
तान सुनी मैं घर सो निकली मैया टोके रे
तू कहां चली है राधे दधि की मटकी छोड़ी रे
मैं पागल...

मटकी मैंने शीश धरी, और दौड़ी आई रे
तू कहां छिपा है कान्हा चोरा चोरी आई रे
मैं पागल...

ना सुध मन की, ना सुध तन की, होश गंवाई रे
तू सन्मुख आजा श्याम, मैं दहिया बेचन जाई रे
मैं पागल...

कान्हा कूद डार, धर बंसी अधर सजाई रे
तू कहां चली है राधे तुझ बिन कुछ ना सुहाई रे
मैं पागल...

धूम मचावे चितचोर...

धूम मचावे चितचोर, मतवाला कान्हा
धूम मचावे...

रोक डगर सखि रास रचावे
हल्ला मचावे करे शोर, मतवाला कान्हा
धूम मचावे...

बहियां मरोरे राधे सतावे
दहिया बिखेरे चहुं ओर, मतवाला कान्हा
धूम मचावे...

ग्वाल सखा संग गेंद खेले
दीन्हीं जमुन जल बोर, मतवाला कान्हा
धूम मचावे...

धेनु चरावे बंसी बजावे
छिपा लता की ओट, मतवाला कान्हा
धूम मचावे...

मात यशोदा, छाछ बनावें
आया है माखन चोर, मतवाला कान्हा
धूम मचावे...

चलो सखी पालना...

चलो सखी पालना झुलावें कन्हैया
चलो सखी...

नहाए धुलाए कान्हा पलना लिटाए
नैन में काजल टीका लगाए
मैया बिलोवन बैठी है दहिया
चलो सखी...

नींद भरी है नयन कन्हैया
मंद मंद मुस्कावे कन्हैया
मैया ने मल दी माखन से चुटिया
चलो सखी...

श्यामल मुखड़ा सूरत भोली-भाली
गल माला, चितवन मतवाली
मैया लेवें सौ-सौ बलैयां
चलो सखी...

सोच रहे पलना में कन्हैया
मैया उतारें उनकी नजरिया
चलो सखी पालना झुलावें कन्हैया
चलो सखी...

क्यों तुम रूठे हो...

क्यों तुम रूठे हो गिरिधारी
अवगुण चित्त ना धारियो मोरे॥ टेक॥

तुम्हरे दरश को मन ललचावे
बुद्धि ज्ञान नहीं हम पाए
भक्ति भाव भरो रस मोरे
क्यों तुम...

तुम्हरे चरन चित्त व्याकुल मनवा
रज पाएं कुछ जतन करो प्रभु
जीवन जोरी हाथ तिहारे
क्यों तुम...

ना रोको डगर मोरी रे...

ना रोको डगर मोरी रे
कन्हैया यशुदा से कहूं

शीश धरी मैं दधि की मटकी
बेचन जाऊं, दूर नगरिया
ना फोड़ो मटकी मोरी रे
कन्हैया यशुदा...

सखियन के संग मधुबन जाऊं
हंसी ठिठौली कर जिया बहलाऊं
ना पकड़ो कलाई मोरी रे
कन्हैया यशुदा...

कमर धरी मैं दो दो मटकी
पनघट पे जा भर लूं मटकी
ना रार मचावौ हमसे रे
कन्हैया यशुदा...

बैठ कदम की छांव कन्हैया
ना साजो मुख अधर मुरलिया
ना छेड़ो तान ऐसी रे
कन्हैया यशुदा...

श्याम रूठे हैं तो...

श्याम रूठे हैं तो क्या मना लूंगी
राधे मोहन की प्यारी मना लूंगा
हां मना लूंगी मैं मना लूंगी
श्याम रूठे...

मैंने भोजन बनाया है श्याम के लिए
ना जीमें तो माखन खिला दूंगी
श्याम रूठे...

जल गड़वा भरा है श्याम के लिए
ना पीवें तो छाछ पिला दूंगी
श्याम रूठे...

मैंने आसन बिछाया श्याम के लिए
ना विराजे तो पलकें बिछा दूंगी
श्याम रूठे...

मैंने मुरली मंगाई श्याम के लिए
ना बजावें तो रास रचा दूंगी
श्याम रूठे...

मैं बेचन जाऊं...

मैं बेचन जाऊं दही मटुकिया शीश धरी मैं
जैसे ही मटुकी शीश धरी मैं॥ टेक॥

कान्हा गहल रोकी, मटुकिया शीश धरी मैं
जैसे ही मटुकी शीश धरी मैं
कान्हा कलाई पकड़ी मटुकिया शीश धरी मैं

जैसे ही मटुकी शीश धरी मैं
कान्हा कंकर मारी मटुकिया शीश धरी मैं

फूटी मटुकिया बिखरा है दहिया
मेरी अंसुअन धार बही, मटुकिया शीश धरी मैं
मैं बेचन जाऊं दही मटुकिया शीश धरी मैं

वो काला एक बांसुरी...

वो काला एक बांसुरी वाला
सुध बिसरा गया मोरी रे
माखन चोर रे नंदकिशोर रे
कर गया मन की चोरी रे॥ टेर॥

पनघट पे मौरी बैंया मरोरी
मैं बोली तो मेरी मटकी फोड़ी
पैंयां पड़ू करूं विनती मैं करूं
मानेगा एक ना मोरी रे।
सुध बिसरा...

छुप गयो एक तान सुना के
कहां गयो एक बाण चला के
गोकुल ढूंढा मैंने मथुरा ढूंढी
कोई नगरिया ना छोड़ी रे।
सुध बिसरा...

सजाया मैंने पालना...

सजाया मैंने पालना आए कन्हैया
आए कन्हैया मोरे, झूले कन्हैया ॥ टेक ॥

शीश मुकुट माथे तिलक विराजे
मुख मुरली धर, अधरा साजे
पहनाई मैंने माला, आए कन्हैया...

श्यामल मुखड़ा, नयन कजरारे
कानन कुंडल, तन पटका डाले
उतारी मैंने आरती, आए कन्हैया...

कमर में कर्धन, पैर पैजनिया
ठुमक-ठुमक चलें कृष्ण कन्हैया
निहारी मैंने मूरत, आए कन्हैया...

कृष्ण लिए हैं अवतार...

कृष्ण लिए हैं अवतार, बधावा ले लो
नगरी हुई है खुशहाल, बधावा ले लो॥ टेर॥

मात यशोदा बलि-बलि जावें
नंद हुए हैं बेहाल, बधावा ले लो
कृष्ण लिए हैं...

सांवरी सूरत मोहिनी मूरत
गल मोहिनी की माल, बधावा ले लो
कृष्ण लिए हैं...

रेशम की डोर चंदन का पलना
झूलें नंद किशोर, बधावा ले लो
कृष्ण लिए हैं...

नर नारी एक झलक को
घेरे खड़े हैं द्वार, बधावा ले लो
कृष्ण लिए हैं...

मोती मूंगा थाल भरे हैं
भर लो झोली पसार, बधावा ले लो
कृष्ण लिए हैं...

ढोल मंजीरा बजत बधावा
हो रही जय जयकार, बधावा ले लो
कृष्ण लिए हैं...

शिवजी
के भजन

भोला ओ बम-बम भोला...

तर्ज—मैया ओ गंगा मैया

भोला ओ बम-बम भोला, भोला ओ बम-बम भोला
ओ बम-बम भोला तेरे द्वार आता रहूं
तेरे चरणों में मस्तक नवाता रहूं मैं नवाता रहूं
भोला ओ बम-बम भोला॥ टेर॥

पुण्य सावन महीने में आऊं
गंगाजल कांवड़ियां चढ़ाऊं
तेरा ध्यान धरूं तेरा पूजन करूं
तेरी बस्ती में हरदम मैं आता रहूं, मैं आता रहूं
भोला ओ...

तेरे दर पे चला जा रहा हूं
गीत भक्ति के मैं गा रहा हूं
तेरा नाम रटूं तेरा गान करूं
तुझको भजनों में हरदम मैं रिझाता रहूं, मैं रिझाता रहूं
भोला ओ...

बीच मझधार में मैं पड़ा हूं
तेरी आशा लिए मैं खड़ा हूं
मेरे मन में उमंग संग में लाया हूं
भंग लोटा भर-भर के, तुझको चढ़ाता रहूं, मैं चढ़ाता रहूं
भोला ओ...

मैं तो आया हूं भोले...

तर्ज—ले तो आए हो हमें सपनों के गांव में

मैं तो आया हूं भोले दुनियां से हार के
तुम ही हो देव मेरे मन में विचार के
बोल ये प्यार के पुकारे रोम-रोम
हरि ओम हरि ओम ॥ टेर ॥

मैंने सुना है भोले देव निराले
तेरे बिना हमें कौन संभाले
तुमसे बड़ा ना दानी महर करो
आएंगे दिन कब मेरे उद्धार के
तुम्हीं हो देव...

भांग धतुरा शिव पीते गटक के
असुरों को मारे जमीं पे पटक के
महिमा अपार माया ना जानी, किसी ने तेरी
दुख दारिद्र हरो सारे संसार के
तुम्हीं हो देव...

आ मेरी बिगड़ी दशा को संभालो
मुझ पर दया की नजर तो डालो
ये प्रेम से, तेरी महिमा बखानी मस्त मंडल ने
शंभु से अर्ज लगाता हरदम पुकार के
तुम्हीं हो देव...

ले के कांवर हम तो...

तर्ज—दिल के अरमां

ले के कांवर हम तो घर से चल पड़े
गंगाजी में आके फिर हम जल भरे॥ टेर॥

है मुसीबत रास्ते में गम नहीं
ले के भोला नाम हम तो चल पड़े
ले के कांवर...

झोली खाली है हमारी कर दया
तेरे ही दर्शन को हम तो चल पड़े
ले के कांवर...

सर पे गंगाजल चढ़ाकर मांगेंगे
बाबा दे दो भीख जो भी बन पड़े
ले के कांवर...

तेरे दर पे आए हैं हम दूर से
बाबा तेरी हर नजर हम पर पड़े
ले के कांवर...

सोना-चांदी, हीरा मोती कुछ नहीं
ऐसा वर दे सर से दुख सब टल पड़े
ले के कांवर...

धूप कितनी तेज है तेरी राहों में
काश तेरी रहमतों का फल पड़े
ले के कांवर...

डमरू बजाए...

तर्ज—हाय शरमाऊं किस-किस को बताऊं

डमरू बजाए, अंग भस्मि रमाए और ध्यान लगाए किसका
न जाने वो डमरू वाला, न जाना वो डमरू वाला
सब देवों में सब देवों में है वो देव निराला॥ टेर॥

मस्तक पर चंदा ओ जिसकी जटा में है गंगा
रहती पार्वती संग में सवारी है बूढ़ा नंदा
वो कैलाशी, है अविनाशी, पहने सर्पों की माला
डमरू बजाए...

बाघंबर धारी, वो भोला शंभु त्रिपुरारी
रहता मस्त, जिसकी महिमा है न्यारी
है शिवशंकर, है प्रलयंकर, रहता सदा मतवाला
डमरू बजाए...

संगत गाए, शिव शंभु को ध्याए
जो भी मांगे सो पाए, दर से खाली ना जाए
बड़ा है दानी बड़ा है ज्ञानी, सारे जग का रखवाला
डमरू बजाए...

कोई दे दो ठिकाना रे...

तर्ज—एक प्यार का नगमा है

आया सावन सुहाना है शिव के घर जाना है
कोई दे दो ठिकाना रे मुझे कांवर चढ़ाना है
हरि ओम नमः शिवाय, हरि ओम नमः शिवाय ॥ टेर ॥

नहीं देखा मैं उसको, नहीं देखा वो मुझको
फिर भी मन ये माने, महादेव मेरा उसको
मैं कैसे समझता हूं, सब साथ पुराना है
कोई दे दो ठिकाना रे...

कहते हैं सब मुझको, भोला भंडारी है
जो शरण पड़ा उसकी, हर विपदा टारी है
कैसे मैं पाऊं तुम्हें, होकर मैं दीवाना
कोई दे दो ठिकाना रे...

गल में सोहे इनके, सर्पों की माला है
रहता है मस्त सदा, पीये भंग का प्याला है
मस्तक चंदा सोहे, कहता ये जमाना है
कोई दे दो ठिकाना रे...

डमरू वाले डमरू बजा...

तर्ज—ढपली वाले ढपली बजा

डमरू वाले डमरू बजा
तेरे सेवक बुलाते हैं आ ना देरी तू लगा॥ टेर॥

तेरे कीर्तन को तेरे दर्शन को अंखियां तरसने लगी हैं
हमें ना सतावो भोले जी आवो, कहां पे हो तुम डेरा डाले
डमरू वाले डमरू...

मेरे तनमन में मेरे जीवन में, भोलें जी तुम हो समाए
तेरे सिवा अब दुनियां में मुझको, दूजा नहीं कुछ भी भाए
जपूं तेरी माला और शंभू निराला, पियूं तेरे नाम के प्याले
डमरू वाले डमरू बजा...

है प्यार तुमको भक्तों से अपने, देरी नहीं अब लगाओ
एक बार डमरू हो के मगन तुम भोले जी डम-डम बजाओ
डमरू वाले डमरू बजा...

सेवक हूं मैं भी भोले तुम्हारा, मुझको नहीं भूल जाना
दृष्टि दया की एक बार अब तो, हम पर बाबा उठाना
खबर लो हमारी भोले भंडारी, शरण में पड़ा हूं उठा ले
डमरू वाले डमरू बजा...

डम-डम डमरू वाला...

डम-डम डमरू वाला बड़ा मतवाला है
बाएं अंग में गौरा बिराजे, गोदी में गणपति लाला
बड़ा मतवाला है ॥ टेर ॥

शेषनाग का पड़ा जनेऊ, गले नाग अति काला
बड़ा मतवाला है डम-डम डमरू वाला

रहने को चाहिए मंदिर शिवाले, पीने को भंग का प्याला
बड़ा मतवाला है डम-डम डमरू वाला

मलने को चाहिए अंग भभूति, बैठने को मृगछाला
बड़ा मतवाला है डम-डम डमरू वाला

ओ शंकर मेरे...

ओ शंकर मेरे कब होंगे दर्शन तेरे॥ टेर॥

मैं मूरख तू अंतरयामी, मैं सेवक तू मेरा स्वामी
काहे मुझ से नाता तोड़ा, मन छोड़ा मंदिर भी छोड़ा
कितनी दूर लगाए तूने जा कैलाश पे डेरे
ओ शंकर मेरे...

तेरे द्वारे ज्योत जगाते, युग बीते तेरे गुण गाते
न मांगूं मैं हीरे मोती, मांगूं बस थोड़ी सी ज्योति
खाली हाथ न जाऊंगा मैं, दाता द्वार से तेरे
ओ शंकर मेरे...

जगत पिता शंकर संसार के दाता, ये कैसा अन्याय विधाता
अमृत मांगा था विष पाया, लेकिन अब समझ में आया
अपनी आंखें खोलेंगे तो, तेरा सिंहासन डोले
वो कैसा भगवान है जो अपने भक्तों से अंखियां फेरे
ओ शंकर मेरे...

भोलेनाथ तेरी नौकरी पे...

तर्ज—सरकाई लेओ खटिया जाड़ा लगे

भोलेनाथ तेरी नौकरी पे रखना मुझे।
तेरी जो मर्जी तनख्वाह देना मुझे॥ टेर॥

तू मेरा मालिक है मैं तेरा नौकर
दुनियां की दौलत को मारूं मैं ठोकर
तेरे चरणों में हरदम रहना मुझे
भोलेनाथ तेरी...

जो भी बताओगे काम करूंगा
भंगिया बनाऊंगा गांजा भरूंगा
दुनियां वालों से काहे को डरना मुझे
भोलेनाथ तेरी...

लाया नहीं मैं किसी की सिफारिश
भोलेनाथ मैं करता हूं तुमसे गुजारिश
गलती करूं तो माफ करना मुझे
भोलेनाथ तेरी...

नाच रहे शिवजी...

आज तो कैलाश में, बाज रहे डमरू
नाच रहे शिवजी बाज रहे घुंघरू॥ टेर॥

शेष भी आए, नारद भी आए
वीणा बजाते हुए, नारद भी आए
दोनों ही पांव में, बाज रहे घुंघरू
नाच रहे शिवजी...

विष्णु जी आए, संग लक्ष्मीजी को लाए
मोहन भी आए, संग राधा को लाए
दोनों ही पांव में, बाज रहे घुंघरू
नाच रहे शिवजी...

शिवजी के डमरू की, देखो कैसी शान है
मोहन की मुरली की मीठी-मीठी तान है
राधा लक्ष्मी, पार्वती बांध रही घुंघरू
नाच रहे शिवजी...

ऐ बंदे तुझे क्या है...

तर्ज—ऐ मालिक तेरे बंदे हम

ऐ बंदे तुझे क्या है गम, बोल मुख से अगर बोल बम
पाप धुल जाएगा, भाग्य खुल जाएगा
दुनियां चूमेगी तेरे कदम॥ टेर॥

भोले बाबा का गर नाम ले
उनके चरणों को गर थाम ले
तू वही पाएगा जो भी कर पाएगा
मांग दिल से न रख कुछ वहम
ऐ बंदे...

जग में उसकी बड़ी शान है
देने वाला वही दान है
है विधाता वही जग का दाता वही
भरी दौलत जहां है अगम
ऐ बंदे...

कोई पाया नहीं पार है
पूजता जिनको संसार है
आओ धाम चले, भोले से मिले
बोलना प्रेम से बम-बम
ऐ बंदे...

जय जय शिव शंकर...

तर्ज—जय जय शिव शंकर

जय ज़य शिव शंकर कांटा लगे न कंकर
हो प्याला तेरे नाम का पिया
मैं दर जाऊंगी, मैं गुण गाऊंगी
हो आसरा तुम्हारा लिया॥ टेर॥

आशा ले भोले नाथ दर तेरे आई हूं
तेरी मैं दासी हूं, चरणों में आई हूं
तेरे ही दम से खड़े हैं जमीन आसमान
जय जय शिव शंकर...

तेरा ही हमको तो रहता सहारा है
आया तू भक्तों ने, जब भी पुकारा है
अपनों का भोले तू सदा रखता है ध्यान
जय जय शिव शंकर...

जग को छोड़ नाता तोड़ जो भी बुलाता है
उसको तू भोलेनाथ दर्शन दिखाता है
'लता' ध्याती है तुझको सुबह-ओ--शाम जय शिव
जय जय शिव शंकर...

शंकर जी गोरा से बोले...

तर्ज—एक डाल पे तोता बोले एक डाल पे मैना

शंकर जी गोरा से बोले खोल के अपने नैना-ओ
जब तक भांग न देओ घोटकर दिल को चैन मिले ना
बोलो है ना...

जल्दी जाओ घोट के लाओ गौरा भांग हमारी
बिन बिजिया के हमको गौरा पड़े न चैन करारी
पड़े न चैन करारी ओ गणपति की महतारी
घोट-घाटकर, छान-छूनकर प्याला भर-भर देना
बोलो है ना...

शंकर से यूं बोली गौरी सुनिएगा त्रिपुरारी
घोटत--पोटत हार गई न घुटती भांग तुम्हारी
ना घुटती भांग तुम्हारी ओ नाथ भोले भंडारी
एक रोज की होय तो घोटूं मोसे रोज घुटे ना
बोलो है ना...

मुझे तो शिव...

मुझे तो शिव शंकर मिल गए
किया न जप-तप तीर्थ न पूजा
अपने ही घर मिल गए
मुझे तो शिव...

मैं हूं जात का पापी भिखारी
अपने कर्म से बना भिखारी
मैंने प्रभु से मांगी थी रोटी
पर परमेश्वर मिल गए
मुझे तो शिव...

पाते हैं मुनि जिन्हें करके तपस्या
बातों में सुलझी मेरी समस्या
मूर्ख समझ के मुझे दयालु
बन पत्थर मिल गए
मुझे तो शिव शंकर मिल गए

हमें शिव से मन को...

हमें शिव से मन को लगाना पड़ेगा
उन्हें भी मदद को तो आना पड़ेगा

अगर दिन गंवाया है झगड़ों में तुमने
तो रातों में उनको मनाना पड़ेगा

अगर यूं न मानेंगे दुश्मन हमारे
तो हर हर महादेव को सुनाना पड़ेगा

सुनो शिव के प्रेमी यह रस्ता है सीधा
इसी रास्ते सब को जाना पड़ेगा

करो मुख से सुमरन तू ही शिव तू ही शिव
नहीं थम का डर फिर तो खाना पड़ेगा

जो है शिव का प्रेमी उसे प्रेम से यह
भजन प्रेमियों को सुनाना पड़ेगा

तू कर भजन इसका है यह प्रेमी बूटी
इसे पी के बैकुण्ठ जाना पड़ेगा

ऐसे दूल्हे से डरियो...

तर्ज—झूठ बोले कौआ काटे

दूल्हा भोला बने, कोई देखो न डरियो
ये देव हैं महादेव, इन्हें भूल न जाइयो ॥ टेर ॥

गंगाधारे भस्मी देखने को आए हैं
देखने को आए हैं सब देख के घबराए हैं
ब्याह रचाए भूत बुलाए ऐसे दूल्हे से डरियो...

भूत लाखों, प्रेत लाखों भालू बंदर आए हैं
संग-संग देवता वाहन अपने-अपने लाए हैं
बिच्छू नाग ततैया देखो उनको घर बनाए हैं
ऐसे दूल्हे से...

नाग लपेटे भस्मी रमाए नर-मुण्डों को लखियो
ब्याह नहीं होने दूंगी प्राण मैं गवाऊंगी
जैसे होगा वैसे देखूं वर को आन देखूंगी
रूप दिखाए हरि हर पाए ऐसे दूल्हे से...

है जोगी अगम अपारा...

शंकर तेरी जटाओं में बहती है निर्मल धारा
है जोगी अगम अपारा ॥ टेर ॥

हे तन भस्म रमाए, मस्तक पर चंद्र सुहाए
ध्वनि उठे शब्द ओंकारा
है जोगी...

तुम नीलकंठ कहलाए, तेरे अंग भुजंग सुहाए
कर में त्रिशूल उजियारा
है जोगी...

बाघंबर आसन होय, गौरी वामांग सुहाए
डमरू ध्वनि होत अपारा
है जोगी...

सुर महिसुर नर मुनि राई, सब तेरे ध्यान लगाई
विश्वंभर अगम अपारा
है जोगी...

जपते रहो सुबह और...

तर्ज—बाली उमर को सलाम

करो जिंदगी सब भोला के नाम
जपते रहो सुबह और शाम जपते...

चरणों में जाकर प्रभु से करवा लो वादे
टूटने न देंगे भोले, सब के इरादे
जला दे भवन में ज्योति जला दे
दरबार में जाने का, सही अंजाम
जपते रहो...

मिल जाए जिसको भोले की ममता है
ममता की जाने नहिं ज्ञानी कोई क्षमता है
जला दे भवन में ज्योति जला दे
मिले सुख तुझको बंदे तमाम
जपते रहो...

सब मिल करो तुम स्वामी की भक्ति
ऋषि मुनि कहते होती भक्ति में शक्ति
जला दे भवन में ज्योति जला दे
'गंगा' कलम कर में थाम
जपते रहो...

सदा भज शंकर...

सदा भज शंकर नित दिन
रिद्ध सिद्ध दायक, सदा सहायक
सदा भज...

शंकर गौरा मात भवानी
निश दिन सुमिरन कर पहिचानी
सदा भज शंकर नित दिन

भोले दुख हरता, सुख के दाता
पारबती शक्ति विख्याता
सदा भज...

भोले हो रही जय-जयकार

भोले हो रही जय-जयकार
भक्तन, भीड़ लगी, भोले...

कोई बोले हरि हरि भोले
कोई शिव शंकर डमरू वाले
तेरी महिमा जग विख्यात
भक्तन भीड़ लगी, भोले...

कोई बोले है सर्पों वाले
कोई नीलकंठ मतवाले
तेरा गुण गाया संसार
भक्तन भीड़ लगी, भोले...

कोई बोले तेरी जटा गंग धारा
दुख हरता है सुख के दाता
तेरी महिमा जग विख्यात
भक्तन भीड़ लगी
भोले हो रही...

जय सोमेश्वर कैलाशी...

तर्ज—घर आया मेरा परदेशी

जय जय शंकर अविनाशी, जय सोमेश्वर कैलाशी
तन पर भस्म सोवे है गंगा चंद्र मन मोहे है
इंद्र मृदंग बजाते हैं गणपति ताल लगाते हैं
नाच रहे कैलाशी जय...

तांडव नृत्य दिखाया है देवों के मन भाया है
जय जय शंभो जगराशी, जय सोमेश्वर...

कृपा करो तुम माली पर, दरस दिए थे खेती पर
हल में अटके अविनाशी, जय सोमेश्वर...

गिरजा मंदिर बाएं है गणपति मंदिर दाएं है
सनमुख नंदी गणवासी, जय सोमेश्वर...

राधे कृष्ण गुण गाए हैं शिव शिव धुन लगाए हैं
काटो मेरी भव फांसी, जय सोमेश्वर...

काशी नगरी से आया है...

तर्ज—ले के पहला पहला प्यार

ले के गौरा जी को साथ भोले-भाले काशीनाथ
काशी नगरी से आया है भोला काशीनाथ॥ टेर॥

नादयां सवार होकर डमरू बजाते
चले आ रहे हरि गुण गाते
पहने नर मुण्डों की माला ओढ़े ऊपर मृगछाल
काशी नगरी से...

हाथों में त्रिशूल सोहे भस्मी रमाए
झोली गले में डाले गोकुल में आए
पहुंचे नंदजी के द्वार शिवजी बोले बार-बार
काशी नगरी से...

भोले आया शरण तुम्हारी...

भोले आया शरण तुम्हारी
रख लो लाज मेरी त्रिपुरारी

अज्ञानी मूर्ख और अविवेक
मुझमें भरे हैं खोट अनेक
तुमसे मेरी है ये विनय
बुद्धि दे दो अपनी प्यारी
भोले आया...

मैं हूं भिखारी तुम हो दानी
भोले तेरा दिया है खाती
विनती सुनलो मेरी विधाता
भक्ति दे दो हे त्रिपुरारी
भोले आया...

दोनों के तुम हो रखवाले
तुमने सबके काज संभाले
मुझे भी अपना दास बना ले
सेवा का मैं भी अधिकारी
भोले आया...

जो भोले में मन को...

जो भोले में मन को लगाता रहेगा
तो मन तेरा ये जगमगाता रहेगा

हृदय में उसी के बसेंगे वो शंभू
हृदय में जो उनको मनाता रहेगा

भजेगा जो तू, भोले शंकर की माला
तो जीवन को सुखमय बनाता रहेगा

कर देंगे तुझ पर कृपा त्रिपुरारी
न बेड़ा तेरा डगमगाता रहेगा

बजा देंगे डमरू वो जब भोले शंकर
तो स्वामी को सेवक का नाता रहेगा

'लता' अपनी भक्ति वो दे देंगे तुझको
जो भोले पे तू जल चढ़ाता रहेगा

गुण गाऊंगा तेरे...

तर्ज—अखियों के झरोखों से

मैं दर पे तुम्हारे आशा लेके आया हूं
गुण गाऊंगा तेरे, दुख दूर करो मेरे

जब याद तेरी आए कुछ भी न सूझे मुझे
अब कौन यतन करके, पाऊं मैं नाथ तुझे
मेरे नयनों के तारे, जग से ठुकराया हूं
गुण गाऊंगा...

तुम से न छुपी मेरी दुख दर्द कहानी है
मत देर करो अब तो मेरी लाज बचानी है
दुनियां के सहारे प्रभु मैं भी अजमाया हूं
गुण गाऊंगा...

मेरी जीवन की नैया चाहो तो पार करो
अपराध क्षमा करके, मेरे सिर पर हाथ धरो
शंभु यूं पुकारे प्रभु, भारी दुख पाया हूं
गुण गाऊंगा...

भोला भांग तुम्हारी...

तर्ज—हाय-हाय ये मजबूरी...

भोला भांग तुम्हारी, मैं घोटत-घोटत हारी,
मेरे सगरे हाथ दुखाए, तेरी एक दिना की होय तो घोंटूं
रोज न घोटी जाए, भोला भांग तुम्हारी॥ टेर॥
जा दिन से मैं आई ब्याह के, भाग्य हमारे फूटे
राम करे ऐसा हो जाए, ये सिलबट्टा ही टूटे, हां टूटे
तेरी रोज रोज की अकड़ ओ भोले मोसे सही न जाए
तेरी एक दिना की होय तो घोटूं, रोज न घोटी जाए
भोला भांग तुम्हारी...
नाजुक तन को नाज से पाला, कैसे सहूं कसाले
भांग तुम्हारी घोटत-घोटत, हाथों में पड़ गए छाले, हां छाले
तेरी रोज-रोज की झिड़क ओ भोले, हमसे सही न जाए
तेरी एक दिना की होय तो घोटूं, रोज ना घोटी जाए
भोला भांग तुम्हारी...
आग लगे तेरे सिलबट्टे पर, मैं तो पीहर जाऊं
जब तू पीना भांग छोड़ दे, तभी लौट कर आऊं, हां आऊं
मैं तो अपने चली मायके, तभी समझ में आए
तेरी एक दिना की होय तो घोटूं, रोज न घोटी जाए
भोला भांग...
क्रोध में आके शिव शंकर ने, खोला अपना झोला
एक चरस की पुड़िया निकाली, एक भांग का गोला, हां गोला
गोला खाकर बोला क्रोध में आकर भोला
गौरा तुझको छोड़ देऊं पर, भांग न छोड़ी जाए
भोला भांग...
भांग नहीं भगवती है ये, शिवघट में बसने वाली
दुष्ट दलन का वध करने को, बनी है ये कंकाली, कंकाली
इसको पीकर ऋषि मुनि भी, शिव का ध्यान लगाए
गौरा तुझको छोड़ देऊं पर, भांग न छोड़ी जाए
भोला भांग...

किस दिन भोले तेरा...

तर्ज—क्या हुआ तेरा वादा

आ भी जा बाबा लेके संग गिरिजा माता
अर्जी मेरी मर्जी तेरी किस दिन भोले तेरा दर्शन होगा

भस्मी रमी है अंग में तेरे, गले सर्पों की माला है
बहती है गंगा जटा में शीश चंद्र उजियारा है
भांग धतूरा खाए निशदिन, नाचे भूत बेताल संग
किस दिन भोले तेरा...

ओ भोले बाबा तेरे देश में लोग परेशान रहते क्यों
कोई तो रहते हरदम खुशी में, कोई गमों में रोते क्यों
ऐसी जग में कोई बात नहीं जो तुमको ज्ञात नहीं
किस दिन भोले तेरा...

तू दुख हरता सब दुखियों का निर्बल का तू सहारा है
आन उबारो भक्त अपने को जिसने तुझे पुकारा है
तेरे सिवा मेरा कोई और नहीं जाऊं कहां ऐसा कोई नहीं
किस दिन भोले तेरा...

भोले का पहला नंबर...

तर्ज—दमादम मस्त कलंदर

तेरी महिमा जग में गूंजे
शिव को भज ध्यान धरे भगत तेरे
भोले का पहला नंबर, जपे धरती और अंबर
तू ही बाबा वाघंबर, मेरे भोले शिव शंकर

जाने किसका ध्यान लगाए, राख को अपने तन में लगाए
चंदा जिनकी शान बढ़ाए गले सर्प की माला लगाए
चरण की रज हमको भी दे दो द्वार खड़े
शिव को भजे ध्यान धरे भगत तेरे
भोले का पहला...

मस्त रहे तू विजया पीकर भूत की सेना तेरी चाकर
ब्राह्मण, विष्णु तेरे दर पे शीश नवाते हैं
विष को खाए मान बढ़ाए हम भी रटें
शिव को भजे ध्यान धरे भगत तेरे
भोले का पहला...

कांवर कंधे पर उठाए जल की कलसी भर कर लाए
बाबा की ही रटन लगाए मन में शिव का ध्यान लगाए
हर ले मेरे ये दुखड़े ओ बाबा चरण पड़े
शिव को भजे...

दरबार इनका सबसे...

तर्ज—अहसान मेरे सर पे तुम्हारा

शंकर हमारे जग से निराला है दोस्तो
उनके गले में सर्पों की माला है दोस्तो

ये हैं बड़े दयालु सदा करते हैं दया
खाली नहीं लौटा है चौखट पे जो गया
दरबार इनका सबसे निराला है...

हाथ में त्रिशूल गले मुण्ड की माला
डमरू भी है बगल में पहने मृगछाला
मस्तक पे इनके चंदा उजाला है दोस्तो
दरबार इनका सबसे...

भस्मा को दिया भस्म सब बे मगर हो गए
लेकिन घमण्ड भस्मा के सब दूर हो गए
भस्मा का हुआ भस्मा मुंह काला है दोस्तो
दरबार इनका सबसे...

रटता तेरा नाम बच्चा-बच्चा...

तर्ज—पायल की झनकार रस्ते

भोले का दरबार सच्चा-सच्चा
रटता तेरा नाम बच्चा-बच्चा
मस्त रहता हूं मैं उसी नाम में
जो रहता मददगार हर काम में
भक्त संसार, पाता फल हर बार सच्चा-सच्चा
रटता तेरा नाम...

चैन मिलता उसी को जो भजता रहे
गीत गंगा में यह मैल तजता रहे
करता उपकार, जाता है जो द्वार सच्चा-सच्चा
रटता तेरा नाम...

भूल जाता नहीं देव सीधा सा है
ज्योति ज्वाला दिखता न वृद्धा सा है
करता है पार, कंचन की धार सच्चा-सच्चा
रटता तेरा नाम...

लौट खाली ना जाता जो आता कभी
निज मन की मुराद वो पाता सभी
करता है पार, बनके पतवार सच्चा--सच्चा
रटता तेरा नाम...

भक्तों की पुकार है...

तर्ज—जिया बेकरार है छाई बहार है

भक्तों की पुकार है दुखी सारा संसार है
आजा मेरे भोले जी तेरा इंतजार है

मंदिर तेरा बड़ा निराला मेरे मन को भाया है
दिल की पुकार है आया तेरे द्वार है
आजा मेरे भोले जी तेरा इंतजार है

जीवन नैया डगमग डोले मिलता नहीं किनारा है
नई मझधार है तू ही मेरी पतवार है
आजा मेरे भोले जी तेरा इंतजार है

धर्म कर्म कर मनुष्य हारा करता है मनमानी
जीवन मेरे भोलेजी, तेरा इन्तजार है
आजा मेरे भोले जी तेरा इंतजार है

मेरा बाबा डमरू वाला...

तर्ज—मेरा जूता है जापानी

मेरा बाबा डमरू वाला, निकला देवों में निराला
मेरे देवता तुम्हारी लीला समझे ना इन्सान

निकल पड़ा है भवसागर में तेरी आस लगाए
संकट हारी आकर, विपदा पास ना आए
तेरा भक्त हूं अंजाना राखो मेरी ओ शान
मेरे देवता तुम्हारी...

दुनिया जाने क्या होता पुत्र का नाता
मैं नादान तुम्हारे चरणों में ऐसा दुख पाता
कहता हृदय भक्त भगवान दे दो चरणों में स्थान
मेरे देवता तुम्हारी...

जगवालों के कई सहारे मेरा अपना तू है
भटक ना जाऊं राखो ध्यान बस मेरा अपना तू है
मैं भी कह दूं सीना तान भोलेनाथ जी को मान
मेरे देवता तुम्हारी...

शंभु तेरी शरण में...

शंभु तेरी शरण में आया ये भिखारी
प्रभु राख लो शरण में यह दास है तिहारी
डमरू त्रिशूल कर में गिरिजा है वाम अंग में
गंगा रहती सर में वृषराज पै सवारी
गल में है मुंड माला, कुंडल हैं कानों विशाला
कटि में कसे मृगछाला त्रिनेत्र भुज हैं चारी
दुनिया में नाल मेरा, दिल में करो बसेरा
उद्धार कर दो मेरा सब कष्ट को निवारो
नील कंठ नाम धारी भक्तों के सुखकारी
परमहंस बड़ अनारी, जल्दी से लो उबारी

शंकर त्रिपुरारी की नित...

शिव डमरूवाले को दिल से ना भुलाना तू
शिव शंकर की नित आरती गाना तू

किस्मत के भरोसे पे कर्मों को किए जा तू
दो दिन की रवानी है हंस-हंस के जीए जा तू
भोले भंडारी को नित हाल सुनाना तू
शंकर त्रिपुरारी की नित...

शिव शिव कहके प्राणी जीने का मजा ले ले
मालूम नहीं कब दुनियां से रजा ले ले
माया के दिवानों का, कुछ खौफ ना खाना तू
शिव शंकर की...

पीकर के जहर शिव ने अमृत को बिसारा था
कर जोड़ के देवों ने शंकर को पुकारा था
शिव चरण के पानी को, आंखों से लगाना तू
शंकर त्रिपुरारी की नित...

सागर पे उतारी...

तर्ज—मन डोले मेरा तन डोले

इठलाती हुई बलखाती हूं चली पनियां भर शिव नार रे
सागर पे उतारी गागरिया॥ टेक॥

रूप सुंदर देखकर पूछे कौन पिता महतारी
कौन गांव की रहने वाली, कौन पुरुष की नारी
गौरजा कौन पुरुष की नारी
हौले-हौले बोले कोई छाया रूप अपार रे
सागर पे...

राजा हिमालय पिता हमारे, मैनवती महतारी
भोलेनाथ हैं पति हमारे मैं हूं उनकी नारी
सुंदर मैं हूं उनकी नारी
जल ले जाऊं पिव नहलाऊं सुन ले वचन हमार रे
सागर पे...

गोकुल में आ गए...

तर्ज—मिलो न तुम तो हम घबराएं

एक दिन वो भोला भंडारी बन करके ब्रजनारी
गोकुल में आ गए हैं
पार्वती भी मना के हारी ना माने त्रिपुरारी
गोकुल में आ गए हैं॥ टेर॥

पार्वती से बोले मैं भी चलूंगा तेरे संग में
राधा संग श्याम नाचे मैं भी नाचूंगा संग में
रास रचेगा ब्रज में भारी, मुझे दिखाओ प्यारी
गोकुल में...

ओ मेरे भोले स्वामी कैसे ले जाऊं अपने साथ में
मोहन के सिवा वहां कोई पुरुष ना जाए रास में
हंसी करेंगी ब्रज की नारी, मानो बात हमारी
गोकुल में...

ऐसा बना दो मुझे कोई ना जाने इस राज को
मैं हूं सहेली तेरी, ऐसी बताना ब्रजराज को
बना के जूड़ा पहन के साड़ी, चाल चले मतवारी
गोकुल में...

हंस के सती ने कहा, जाऊं बलिहारी इस रूप में
एक दिन तुम्हारे लिए आए मुरारी इस रूप में
मोहिनी रूप बनाया मुरारी, अब है तुम्हारी बारी
गोकुल में...

तेरा ही सहारा है...

तर्ज—आने से उसके आए बहार

कब से खड़े हैं झोली पसार, क्यूं न सुनो तुम हमारी पुकार
जग रखवाला है, मेरे भोले बाबा
तेरा ही सहारा है मेरे भोले बाबा
देख लो लगी है आज मंदिर में ये भीड़ भारी
दर्शनों की खातिर आए हैं लाखों नर और नारी
आजा हे त्रिपुरारी दीनों ने पुकारा है, मेरे भोले बाबा
तेरा ही सहारा...

जिंदगी से हारे, गम जमाने का हम लेके आए
हाय रे इस जहां में लोग अपने हुए हैं पराए
तेरे सिवा दुनियां में, कोई न हमारा है, मेरे भोले बाबा
तेरा ही सहारा...

रास्ता ना सूझे, कहां जाए मुसीबत के मारे
आसरा है तेरा दूर कर सारे संकट हमारे
सुनते हैं तूने ही लाखों को उबारा है, मेरे भोले बाबा
तेरा ही सहारा...

आ गए शरण में बोझ पापों का सर पे उठाए
कर नजर दया की, भक्तजन तेरे गीत गाए
सेवा में, हमने तेरी जिंदगी गुजारी है, मेरे भोले बाबा...
तेरा ही सहारा...

कहां जा छुपे हो मेरे...

कहां जा छुपे हो मेरे भोले बाबा
यह नैया भंवर में फंसी जा रही है
कसम है तुम्हें प्यार की, मेरे भोले बाबा
बचा लो यह हस्ती मिटी जा रही है॥ टेक॥

तेरी याद में सदमे जो हैं उठाए
वो मेरा ही दिल जानता है मेरे बाबा
फना हो भी जाऊं शिकवा बाबा नहीं करूंगा
मगर मौत भी मुझसे घबरा रही है, कहां जा...

सुना है लाखों को तारा है तुमने
मगर मैं क्या जानूं तुम्हारी करुणाई
सदा तुमने मुझको अजमाया है बाबा
यही बात रह-रह के तड़पा रही है, कहां जा...

मेरी दुनियां ना वीरान करके जाओ
मेरी जिंदगी खाक में ना मिलाओ
इधर चाह के गम से है निर्धन का जीना
उधर देखो बाबा को हंसी आ रही है, कहां जा...

भक्त एक शिव का...

भक्त एक शिव का चला शिव को मनाने के लिए॥ टेर

•

एक लोटा जल लिया और ले लिए फल फूल भी
चल दिया मंदिर के अंदर शिव पर चढ़ाने के लिए
भक्त एक शिव का...

हाथ को ऊपर किया घंटा बजाने के लिए
देखकर सोने का घंटा पाप मन में आ गया
हो आया तैयार फिर वो घंटा चुराने के लिए
भक्त एक शिव का...

जब कोई युक्ती न आई हाथ ना पहुंचा वहां
चढ़ गया खुद शिव पे वो, करनी कमाने के लिए
देखकर ये दृश्य शंकर, खुश हुए हैं भक्त पर
आ गए फिर वो वहां, दर्शन दिखाने के लिए
भक्त एक शिव का...

भक्त तो मुझ पर चढ़ाते, फूल फल और पत्तियां
तूने तो खुद को चढ़ाया मुझको रिझाने के लिए
दे दिया सोने का घंटा, प्रभु ने फिर उस भक्त को
भक्त चरणों में गिरा चरणों को पाने के लिए
भक्त एक शिव का...

बम बोल कांवरिया...

तर्ज—तू चीज बड़ी है मस्त मस्त

बम बोल कांवरिया बोल बोल
बम बोल कांवरिया बोल बोल॥ टेर॥

तुम पैदल चलकर आए हो, गंगाजल भरकर लाए हो
अंतर पट अपना खोल खोल, बम बोल बोल, बम बोल बोल
बम बोल कांवरिया...

बड़े भाग्य से ये दिन आया, भोले ने हमें अपने दर बुलाया
जोगी सा धरकर भेष भेष, छोड़ा हमने घर और देश देश
कुछ अपने मन में तौल तौल, बम बोल बोल, बम बोल बोल
बम बोल कांवरिया...

सुनकर शिव शंकर नाचे, किस्मत की रेखा खुश होकर बांचे
बदले किस्मत की रेख रेख, भोले को रिझाकर देख देख
शिव की मस्ती में डोल डोल, बम बोल बोल, बम बोल बोल
बम बोल कांवरिया...

दुनिया के मालिक भोले भण्डारी, सुख देने वाले प्रभु संकट हारी
कर ले भोले का ध्यान ध्यान, भक्ति का दे दे दान दान
कुछ नहीं लगता मोल मोल, बम बोल बोल, बम बोल बोल
बम बोल कांवरिया...

त्रिशूल मजा ही देगा...

तर्ज—चूड़ी मजा न देगी

त्रिशूल मजा ही देगा, डमरू मजा ही देगा
तेरे बगैर बाबा, कुछ न यहां मिलेगा॥ टेर॥

मैं कह रहा हूं दिल से, कुछ मांगता हूं तुझसे
दुख में डूबा हुआ हूं, कुछ भूल हुई है मुझसे
जब तू नहीं क्षमा ही करेगा, तो किससे जा कहूंगा
त्रिशूल मजा...

महिमा दिखा दे आपन आया हूं तेरे आंगन
गंगा जल भर लाया हूं चढ़ाऊंगा तेरे चरण
त्रिशूल मजा ही देगा डमरू मजा ही देगा
तेरे बगैर बैजू तेरे बगैर वासकी, कुछ न यहां मिलेगा
त्रिशूल मजा...

भोले बाबा की नगरिया...

भोले बाबा की नगरिया मैं जरूर जाऊंगी
गंगा जल भर के कांवर उठाके
प्रेम से बोल बम करते, राहे चलूंगी, भोले...

लाखों कांवरिया चले डगरिया लाखों
घूंघरू रुन झुन बोले मैं डमरू बजाऊंगी, भोले...

पथरीली रहियां सुनीयां पहाड़ियां
पांव में छाले पड़ जाएं, मैं नहीं घबराऊंगी, भोले...

धर्मशाला कांवरिया, बाजार कटोरिया
बजार घूम के धर्मशाला में विश्राम करूंगी, भोले...

अब नदिया के बारी मैं हूं अनाड़ी
बाबा पार लगावां मैं गोरियारी जाऊंगी, भोले...

पहुंची दर्शनिया, बाबा के चिरनिया
गीत (मंडल जी) गोय, मैं जल चढ़ाऊंगी, भोले...

शिव विवाह

दूल्हा बनकर चले भोले-भाले सुनो,
भेष उनका बनाना गजब हो गया॥
भूत-प्रेतों को साथी बनाए सुनो,
खोज ऐसा सजाए गजब हो गया॥
लगी कैलाश में भीड़ तीन लोक आए हैं।
चले हैं सब देवता साज विलग हो सिधाए हैं॥
हंस पर ब्रह्मा देखो गरुड़ पर विष्णु धाए हैं।
एरावत साज इन्द्र देव सब सिधाए हैं॥
वरुण कुबेर दिगपाल सजे सब बराती हैं।
जोगी सिद्ध मुनि चले भीड़ जो सुहाती है॥
पहुंच देखा हिमाचल से कहने लगे,
भीड़ लखना वहां पर गजब हो गया॥
बुला नारद को मैना खरी सुनाती है।
फंसा बेटी को दिया बचन ए लखाती है॥
साज दूल्हे का देख लखा नहीं जाता है।
पहने नर मुण्ड माल भस्मी को लगाता है॥
कान ततैये सोहें गंगा सिर पे धारे हैं।
भूत-प्रेतों को साज बनाऊं मतवारे हैं॥
बजा डमरू अरु नन्दी सजाने लगे,
ऐ तो मरघट का बासी गजब हो गया॥
साज बाज सुरपुर से ब्रह्मा विष्णु लाए हैं।
ब्याह के खर्च हेतु कुबेर चल आए हैं॥
वेद ब्रह्मा पढ़े ब्याह को समारा है।
द्वारचार होने लगा भोले भेष धारा है॥
मैना आरती उतार खुशी मन में भारी है।
देख लग्न भांवर पड़ी जगदम्बा ओ तारी है॥
'रूप किशोर' ने जै जै पुकारी,
सुनो हाल कहना तुम्हारा गजब हो गया।

सांवल सा चेहरा तेरा...

तर्ज—फूलों सा चेहरा तेरा

सांवल सा चेहरा तेरा जग में तेरा नाम है
नाम तेरा सुन के, भक्तों गाए झूम के, आए तेरा धाम है
तीनों त्रिलोक के तू है दाता
जग में फैलाए तू जाल है
तीनों नयन से सबके निहारे, माथे पे सोहे चांद फूल है
गंगा जी को लाए हैं जटा में लिपटाए हैं
दुनिया में तेरा जवाब नहीं है
सावन की बहारों में गंगा के किनारों में
सुलतान गंज भक्तों के बाजार भरी है
गागर पे सागर भरे, कोई न अनजान है नाम तेरा...
तेरी दया जब जिसपे हो जाए, उसके घर दौलत का भंडार है
गांव शहर में तेरा शिवाला, ढोल बजे ताल सितार है
गंगा जल लाऊंगा, झूम-झूम गाऊंगा
साथ मेरा बहनों वो आएगी
मंदिर में जाऊंगा गंगा जल चढ़ाऊंगा
भोले बाबा सबको स्वीकार करेंगे
गाता चले अपनी किस्मत पे हैरान है नाम...

दिन जाने का हो गया...

दिन जाने का हो गया बाबा धाम के लिए
मैं गंगा जल भरली बाबा नाम के लिए॥ टेक॥

सावन ये आई सुहानी, कांवरिया उठाए पानी
देवघर नगरिया है जानी
मेरा तन मन हो गया अच्छे काम के लिए
मैं गंगा...

मेरी भक्ति सुनले, परिवार के संकट हर ले
सबके नजरों से बाबा भर ले
शाम हो गई यहां पे अब विश्राम के लिए
दिन जाने...

जो दिल में न बसाएगा, भक्ति में रम जाएगा
गंगा जल लाएगा, शिवजी पे चढ़ाएगा
सत्य वचन निभाएगा वो सब कुछ पाएगा
दीन दुखी बनकर, ओ सामने आएगा
धन दौलत रह जाए, संग सच्चाई जाएगा
गाए भजन आराम के लिए
मैं गंगा जल भर लाई, बाबा धाम के लिए
दिन जाने...

बद्री से गई काशी...

तर्ज—बम्बई से गई पूना

बद्री से गई काशी, काशी से गई बांसी
बांसी से आया गोला, फिर भी ना मिला भोला

आंखों में बस गए हैं, सांसों में बस गए हैं
हम आपकी मोहब्बत में दुनिया को भूल गए हैं
सपनों में नहीं आए दिन रात चैन न पाए
नैनों से नीर बहाए, फिर भी न मिले भोला
बद्री से...

जब याद भोले की आए, दिल मेरा धड़क जाए
वो तो बड़ो निठुर है कितना मुझे तड़पाएं
बागों में उन्हें ढूंढा मन्दिर में उन्हें ढूंढा
फिर भी न मिला...

फूलों से लेके गजरा, संग भांग और धतूरा
परमहंस है यह भिखारी, आया लगाकर आसर
कहीं दरस न पाया हम दीन बंधु करतार के
फिर भी न मिला भोला
हम हैं बंदे भोले के...

शिव शंकर चले कैलास...

शिव शंकर चले कैलाश बुंदियां पड़ने लगीं
गौरा जी ने बो दी हरी-हरी मेहंदी
गौरा जी ने बो दी हरी-हरी मेहंदी
शिव शंकर ने बो दी भांग बुंदियां पड़ने लगीं॥ टेक॥

गौरा जी ने सींच दी हरी-हरी मेहंदी
गौरा जी ने सींच दी हरी-हरी मेहंदी
शिव शंकर ने सींच दी भांग बुंदियां पड़ने लगीं...

गौरा जी ने काट दी हरी-हरी मेंहदी
गौरा जी ने काट दी हरी-हरी मेंहदी
शिव शंकर जी ने काट दी भांग बुंदियां पड़ने लगीं...

गौरा जी ने लगा ली हरी-हरी मेहंदी
गौरा जी ने लगा ली हरी-हरी मेहंदी
शिव शंकर जी ने पी ली भांग बुंदियां पड़ने लगीं...

दिल चीर के देखो...

दिल चीर के देखो भोला तेरा ही नाम होगा
प्यार से भरा हुआ दिल में तमाम होगा

जग में कोई नहीं मेरा करूं मैं कहां बसेरा
क्यों फेर लिए नजर को यह तो दास तेरा
सोचो और समझो इसका क्या अंजाम होगा
दिल चीर...

दुआएं लेके आए हो मुरादें लेके आए हो
तेरे दरबार में जो भी परदेशी होके आए
जिस पर बीतती है वह दुख अपना सुनाए
दिल चीर...

मेरा शिव खो गया है...

ढूंढ रही है वन में गिरिजा तपसिन रूप बनाए
मेरा शिव खो गया है...

ओ भोले जोगिया काहे कूं छोड़े जोगिनी का साथ रे
होय होय भोला नाथ रे
लता पता तुम्हीं बता दो मन मेरा घबराए
मेरा शिव खो गया है

जटाओं में गंग बहे मेरे भोला की ये निशानी रे
होय होय ये निशानी रे
सुन कर कैलाश गए और धूनी कहां रमाए
मेरा शिव खो गया है...

शिव शंकर की महिमा देखो...

शिव शंकर की महिमा देखो सारे जग से न्यारी
कैलाश में जा के बैठे नंदी की सवारी
भस्मों अंग लगाए, सर्पों की माला भाए
गौरा देख-देख दहले वे बैठे बगल न पाए
शिव शंकर...

भांग धतूरे पी जाए फिर भी प्यासा कहलाए
कैलाश पै वास करे धूनी अलख जगाए
गौरा के साथ रहे काशी के वासी कहलाए
मथुरा में वह वास करे रंगेश्वर सदा कहलाए
शिव शंकर...

बाएं देवी पार्वती दाएं पुत्र गणेश
सामने जिनके देखो नंदी गण हैं शेष
जटाओं से निकले गंगा की धारा
जाके चमके माथे चंद्रमा प्यारा
शिव शंकर...

एक हाथ में त्रिशूल चलते अजब निराले
पीके भंग देख तो लगते भोले भोले
तीसरा नेत्र अजब दरशाए इसे देख काल दहलाए
'भक्त मंडल' इनके पड़ा चरण में जन्म सफल हो जाए
शिव शंकर...

नाच रही है गौरा नंदी...

नाच रही है गौरा नंदी उसके संग आज
बजा रहे हैं डमरू भोला हंस-हंस के आज
बाजे नहीं पांव जिनके सर्प बंधे विकराल
रूप गौरा मैया का कैसा बन गया आज
नाच रही...

नाचे त्रिपुरारी नाचे गंगा धारी
नंदी भी नाचे महिमा जग से न्यारी
काशी के वासी का कौन-सा है भेष
ऐसा नचइया कहीं और न मिलेगा
नाच रही...

कर धतूरा है भांग का प्याला
देखा नहीं है ऐसा पीने वाला
पलकों को मूंदे हर दम रहे नशे में
भांग का पिवैया कहां ऐसा मिलेगा
नाच रही...

शिव शंकर महिमा आज सबसे न्यारी
गौरा संग है नंदी की सवारी...

भोले नाथ हरे...

निर्बल के प्राण पुकार रहे
भोले नाथ हरे भोले नाथ हरे
श्वासों के स्वर झंकार उठे
भोले नाथ हरे भोले नाथ हरे

आकाश हिमालय सागर में
पृथ्वी पाताल चराचर में
यह मधुर बोल गुंजार रहे
भोले नाथ हरे भोलेनाथ हरे

जब दया दृष्टि हो जाती है
सूखी खेती हरीयाती है
इस आस पै जन उच्चर रहे
भोलेनाथ हरे भोले नाथ हरे

सुख दुख की चिंता है ही नहीं
भय है विश्वास न जाए कहीं
टूटे ना लगा यह तार रहे
भोले नाथ हरे भोले नाथ हरे

तुम करुणा के धाम सदा
सेवा है भक्त मंडल ही सदा
बस इतना सदा विचार रहे
भोलेनाथ हरे भोलेनाथ हरे

जब प्राण तन से निकले...

इतना तो करना स्वामी
जब प्राण तन से निकले
शंकर का नाम कहकर
तब प्राण तन से निकले॥ टेक॥

श्री कैलाश का शिखर हो
या रामेश्वर निकट हो
और भोलेनाथ निकट हो
जब प्राण तन से निकले
श्री सोमनाथ का भवन हो
मुखड़े में गंगाजल हो
श्री शिव चरण का जल हो
फिर प्राण तन से निकले

सम्मुख त्रिलोकी खड़ा हो
डमरू का स्वर भरा हो
तिरछा चरण धरा हो
जब प्राण तन से निकले
सिर सर्प का मुकुट हो
मुखड़े पे काली लट हो
यह ध्यान मेरे घट हो
जब प्राण तन से निकले

उस वक्त जल्दी आना
नहीं भोले भूल जाना
नुपुर की ध्वनि सुनाना
जब प्राण तन से निकले
जब कंठ प्राण आए
कोई रोग ना सताए
तू दर्श आ दिखाना
जब प्राण तन से निकले

तुम छुप ना सकोगे...

जरा सामने तो आओ शिवजी
छुप छुप छलने में क्या राज है
तुम छुप ना सकोगे परमात्मा
मेरी आत्मा की ये आवाज है

हम तुम्हें चाहें तुम नहीं चाहो
ऐसा कभी नहीं हो सकता
पिता अपने बालक से बिछुड़ के
सुख से कभी ना सो सकता
हमें डरने की जग में क्या बात है
जब हाथ में तिहारे मेरी लाज है
तुम छुप ना...

प्रेम की है यह आग शंकर
जो उधर उठे और इधर जले
प्यार के हैं ये तार प्रभो
जो इधर सजें और उधर बजें
तेरी प्रभुता पे हमें बड़ा नाज है
इस दुनिया का तू ही सरताज है
तुम छुप ना...

आ गई शिव रात्री...

आ गई शिवरात्री पधारो शंकर जी
हो पधारो शंकरजी
आरती उतारो पार उतारो शंकर जी
हो पधारो शंकर जी

तुम तन मन में हो मन मन में नाम तेरा
हो नील कंठ है कंठ कंठ में नाम तेरा
हो देवों के देव जगत के प्यारे शंकर जी
आ गई शिव...

तुम राम महल में तुम ही भिखारी के घर में
धरती पे तेरे चरन मुकुट है अंबर में
संसार तुम्हार एक हमारे शंकर जी
आ गई शिवरात्री...

तुम दुनियां बसाकर भस्म रमाने वाले हो
पापी के भी रखवाले भोले भाले हो
दुखियों में भी दो दिन गुजारो शंकर जी
आ गई शिवरात्री...

क्या भेंट चढ़ाए निर्धन का घर सूना है
ले लो आंसू ये गंगा जल का नमूना है
हो आकर के नैन में चरण पधारो शंकर जी
आ गई शिवरात्री...

डम डम डमरू बोले...

डम डम डमरू बोले तू आज हरि का होले
समझाने लगा बतलाने लगा
क्यों शिव शंकर बोले
डम डम डमरू...

यह माया आनी जानी रे
क्यों बना फिरे अभिमानी रे
यह जन्म मसान माही समान
नित कर गुमान ईश्वर को जान
डम डम डमरू...

नारद ने वीणा बजाई है
धुन शिव मिलन की सुनाई है
जुड़े हैं तार शिव नाम न बिसार
कर ले सुधार कर नाम पार
डम डम डमरू...

शिव शंकर कैलाश वासी रे
है नाम भोले भंडारी रे
दुनिया के जाल उसके कमाल
छोड़ जंजाल कर कुछ खयाल
डम डम डमरू...

तुमको लाखों प्रणाम...

शिव शंकर भोले भाले
भक्तों के रखवाले तुमको लाखों प्रणाम ॥ टेक ॥

तुमने यह संसार बनाया
सभी तुम्हारी माया छाया
सर्पों की माला वाले
कैलाश पर्वत वाले
तुमको लाखों प्रणाम...

तुम जल थल में, तुम अंबर में
तुम ही नगर-नगर घर में
तुम ही लहर-लहर स्वर-स्वर में
कहीं नहीं तुम हो जग भर में
डमरू बजाने वाले
दुष्टों को मिटाने वाले
तुमको लाखों प्रणाम...

नर नारी, घर-घर का प्यार
दीप तुम्हारा तेल तुम्हारा
दुनिया का सब खेल तुम्हारा
है खेल खिलाने वाले
त्रिभुवन को बचाने वाले
तुमको लाखों प्रणाम...

शंकर मेरा कहां है...

मंदिर-मंदिर में मैं खोजूं
शंकर मेरा कहां है, कोई बताए
लहर-लहर लहराती गंगे तू उनको पहचाने
तू ही बता क्या शिवजी आए यहां नहाने
लहर-लहर से तेरी पूछूं शंकर मेरा कहां है
कोई बताए...

कोई भक्त बताए मुझको उन्हें कहीं देखा है
रूठ गए हैं मुझसे प्रभु, कैसा किस्मत का लेखा है
दर्शन बिन पल-पल मैं रोऊ शंकर मेरा कहां है
कोई बताए...

कहां मिले अब मुझको मेरा शंकर भोला भाला
कर त्रिशूल डमरू सोहे गले मुण्ड की माला
अंग विभूति रमाने वाला, शंकर मेरा कहां है
कोई बताए...

शिव तू ही...

शिव तू ही, शिव तू ही, शिव तू ही, शिव तू ही
मन सदा शिव से अब जो लगाएगा तू
पार भव सिंधु से फिर तर जाएगा तू
हर वक्त हर समय जो यह गाएगा तू
शिव तू ही...

कुछ सुनाता हूं कैलास का माजरा
वो सुनाता हूं जो कुछ मैंने सुना
मेरे कानों में आई यह प्यारी सदा
शिव तू ही...

छोड़ गफलत अरे मन इधर को तू आ
कुछ सती के पति से तो नेह लगा
हर समय अपनी जिह्वा से एक ही सुना
शिव तू ही...

मारकण्डे को जब यम डराने लगा
जीव को कैद करके वह जाने लगा
शब्द मुख से फकत उसने यह ही कहा
शिव तू ही...

शरण में सदा शिव की...

शरण में सदा शिव की आए हुए हैं
करो नाथ रक्षा सताए हुए हैं
बना कैसा सुंदर वो कैलाश पर्वत
जहां आप धूनी रमाए हुए हैं॥ टेक॥

गले पड़ी है वह नागों की माला
उन्हीं का जनेऊ बनाए हुए हैं
पिलाती सती जो तुम्हें भांग घिस-घिस
उधर आस तोरी लगाए हुए हैं
जहां आप धूनी...

खड़े हुकुम में भूत प्रेतादि लाखों
भयानक शकल जो बनाए हुए हैं
तुम्हीं तीनों लोक के संहार करता
तुम्हें देव सब सर नवाए हुए हैं
जहां आप धूनी...

हमें भी करो अपने भक्तों में शामिल
तुम्हारी शरण हम आए हुए हैं
खबर ले लो अब दुखियों की प्रभु जी
खड़े दर पे सर को झुकाए हुए हैं
जहां आप धूनी...

कर त्रिशूल डमरू धर...

जय बोलो शिव शंकर की
कर त्रिशूल डमरू धर की ॥ टेक ॥

माथे चंद्र छटा धारी
शोभा सुर पुर से भी न्यारी
जय गिरिजापति नटवर की
कर त्रिशूल...

गौरी पति कुण्डल वाले
अंग विभूति मुण्डमाले
शीष पर शोभा विषधारी की
कर त्रिशूल...

अंतर्यामी घट घट के
जटा में श्री गंगा छटके
आएं सदाएं हर हर की
कर त्रिशूल...

दिल में दर्शन की आशा मेरे
विश्वंभर है यह शरण तेरे
हो दयादृष्टि श्री प्रभुवर की
कर त्रिशूल...

ईश गिरीश हमारी...

ईश गिरीश हमारी सुधि ले लेना
शंकर मुण्डमाला त्रिपुरारी
गिरिजापति कैलाश बिहारी
भाल चंद्रमाधारी हमारी सुधि ले लेना
ईश गिरीश...

बाघंबर तनु भस्म रमाए
शीश गंग अहिगण लिपटाए
नीलकंठ छवि न्यारी
हमारी सुधि ले लेना
ईश गिरीश...

भांग अफीम धतूरा खाए
अर्ध नेत्र शिव ध्यान लगाए
शरण हम हैं तुम्हारी
हमारी सुधि ले लेना
ईश गिरीश...

शंभु का मिल गया है...

शंभू का मिल गया है नजारा मुझे
अब नहीं दूसरे का सहारा मुझे ॥ टेर ॥

मुझे शिव शंभु से बढ़कर नहीं सहारा है
कि सारे जगत में फैला उन्हीं का नजारा है

वे मरघट वासी प्रभु, भांग धतूरा खाय
जो कुछ कोई मांगता, उसे वही दे जाए

मांगते ही हां मांगते ही मांगते मांगते
मांगते ही मिला है सहारा मुझे शंभु का

प्यार के भूखे हैं उनके काम कुछ निराले हैं
नाम औघरदानी है बिलकुल ही भोले भाले हैं

नाम अगर उनका जपे, जपते ही फल पाए
उनकी कृपा से तुरंत रंक नृपति हो जाए

रूप भोले का भिक्षा...

रूप भोले का भिक्षा मांगने वाला देखा
गले झोली ओ लिए हाथ में माला देखा
लगाए भस्म अंग अंग बाघंबर धारे
शीश पे गंग शंभु रूप निराला देखा
रूप भोले का...

नाग लिपटे हैं गले मुण्ड की माला डाले
नेत्र हैं लाल भंग का नशा ढाला देखा
रूप भोले का...

नादिया साथ में डमरू त्रिशूल हाथ लिए
किसी के ध्यान में भोले को मतवाला देखा
रूप भोले का...

लगाए टेर बेर बेर नंद के द्वारे
यशोदा से शंभु ने नंद का लाला देखा
रूप भोले का...

दाता एक शंकर...

दाता एक शंकर भिखारी सारी दुनियां
पुजारी सारी दुनिया दाता एक शंकर

द्वारे पे उसके जाके कोई भी पुकारता
परम कृपा से अपनी भव से उतारता
ऐसे दीनानाथ पे बलिहारी सारी दुनिया
दाता एक...

दो दिन का जीवन प्राणी कर ले विचार तू
प्यारे प्रभु को अपने मन में निहार तू
बिना हरिनाम के दुखियारी सारी दुनिया
दाता एक...

नाम का प्रकाश जब अंदर जाएगा
प्यारे शंकर का तू दर्शन पाएगा
ज्योति से जिसकी उजियारी सारी दुनिया
दाता एक...

शंकर तेरी जटा में...

शंकर तेरी जटा में बहती है गंगधारा
काली घटा के अंदर जिस दामिनी उजारा ॥ टेक ॥

गले मुण्डमाला सजे शीश भाल में विराजे
डमरू निनाद बाजे कर में त्रिशूल धारा

दृग तीन तेजराशी कटिबंध नाग फांसी
गिरिजा है संग दासी सब विश्व के अधारा

मृगचर्म वसनहारी कैलाश में सवारी
निज भक्त दुखी कैलाश में बिहारी

शिव नाम जो उचारे सब पाप दोष टारे
ब्रह्मानंद ना बिसारे भवसिंधु पार तारे

शिव भोला भंडारी...

शिव भोला भंडारी शिव भोला भंडारी ॥ टेर ॥

भस्मासुर ने करी तपस्या बन दीना त्रिपुरारी रे
जिसके सिर पे हाथ लगावे भस्म होय तन सारी रे

शिव के सिर पर हाथ धरन की मन में दुष्ट विचारी रे
भागे फिरत चहुं दिश शंकर लगा दैत्य डर भारी रे

गिरिजा रूप धार हरि बोले बात असुर से प्यारी रे
जो तू मुझको नाच दिखावे होउ नार तुम्हारी रे

नाच करत अपने सिर कर धर भस्म भयोमति मारी रे
ब्रह्मानंद देत जोई मांगे शिव भक्तन हितकारी रे

दया की फेर दो नजर...

दया की फेर दो नजर अब इस अभागे पर
बना लो चरणों का सेवक मैं आया हूं तेरे दर पर

सभी ग्रंथ कहते हैं तू दाताओं का दाता है
लुटा दी स्वर्ग सी लंका दशानन के इशारे पर

दया की दृष्टि भक्तों पर बिना सोचे तुम करते हो
पड़े आफत में खुद तुम नाथ भस्मासुर को वर देकर

भक्त यह आशा रख भगवान तेरे चरणों में आया हूं
छुड़ा दो जग भंवर से दास को चरणों का रज देकर

तुम्हारा नाम जप करके...

तुम्हारा नाम जप करके प्रभु तुम्हें अपना बना लेंगे
तेरे पद पंकज में शंकर ये सिर अपना झुका लेंगे

गले मुण्ड माला है कमर मृग छाला है शोभित
जटा में गंगा लहराती उसी में हम नहा लेंगे

बदन में व्याल हैं लिपटे और कर डमरू है शोभित
उसी डमरू के स्वर में नाथ दुख अपना भुला देंगे

हैं तन पे क्षार औ मस्तक पै सुंदर चांद अवलोकित
उसी शशि ज्योति में शंभु शंकर निज तप मिला लेंगे

दया की क्यों नहीं भगवन...

दया की क्यों नहीं भगवन नजर तुम मुझ पर रखते हो
जगत के पाप से वंचित तुम मुझको क्यों न करते हो

दयानिधि लोग कहते हैं दया का तुम खजाना हो
इस सुंदर नाम पर नटवर तुम कालिख क्यों लगाते हो

अजामिल गिद्ध गणिका को सुना है तुमने उबारा है
हमारी बार शिव शंकर तुम क्यों देर लगाते हो

पड़े आफत में भक्तों को सदा तुमने बचाया है
सुना है द्रौपदी प्रहलाद गज को तुम उबारे हो

भक्त भी जग भंवर में फंस तुम्हारा नाम जपता है
लेते क्यों न सुध मेरी कहां तुम शांत सोए हो

प्रेम से तू गा ले...

प्रेम से तू गा ले रसना नाम शिवजी का
वो ही दाता है विधाता सारी जगती का

है कृपाला वो दयालु भोला भंडारी
वो त्रिलोकी का है स्वामी प्राण अधारी
श्वास की माला पे अपना नाम शिवजी का
प्रेम से तू...

संकटों को हरने वाला शिव है दुख नाशी
सारी सृष्टि का रचैया ब्रह्मा अविनाशी
ज्ञान से उसमें उतरना नाम शिवजी का
वो ही दाता...

चंद्र सोहे भाल जिसके नाम गले माला
शंख से फुंकार फूंके कर दे मतवाला
शरण हो निसदिन सुमिरन नाम शिवजी का
वो ही दाता...

दुख टालते भव से तारते...

हे शिव शंकर परम मनोहर सुख बरसाने वाले
दुख टालते भव से तारते शंभु भोले भाले

लो प्रणाम है मंगलकारी, जगदीश्वर त्रिपुरारी
सांचा वर दो दीनजनों को हे भोला भंडारी
आज तुम्हारी शरण आए दाता मोहे बचा ले
दुख टालते...

मृत्यु तेरे चरण दबाए विषधर अंक में खेले
भूत और प्रेत निकट नहीं आवें शिव शिव नाम तो ले ले
उसका मन फिर क्या भरमाए जिसको तू ही संभाले
दुख टालते...

हे ज्ञानेश्वर शक्तिशाली अरजी करे सवाली
हम हैं फूल तेरी बगिया के तू है बाग का माली
पूजा लायक करके हमको अपनी शरण लगा ले
दुख टालते...

मेरा शिव शंकर रखवाला...

शिव शंकर रखवाला, मेरा शिव शंकर रखवाला ॥ टेक ॥

मंगलकारी नाम है उसका शंभु भोला भाला
तेरा नाम शिव शंकर रखवाला...

जिनकी महिमा ऋषि मुनि गाएं
योगी जिनका ध्यान लगाएं
मन उनका मतवाला
मेरा शिव शंकर...

जो भी शिव शिव नाम ध्यावे
वो ही मनवांछित फल पावे
ऐसा शिव कृपाला
मेरा शिव...

विघ्न हरे संताप मिटाए
युग युग के सब पाप जलाए
ऐसी नेत्र की ज्वाला
मेरा शिव शंकर...

ज्ञानी जिन्हें विचारत हारे
भगतन के वो खड़ा दुवारे
ऐसा दीन दयाला
मेरा शिव शंकर...

दुख हरो मेरा कैलाशपति...

शिव शंकर भोले नाथ दीन हितकारी
दुख हरो मेरा कैलाशपति त्रिपुरारी

दिया अमृत सबको बांट तुम्हारी माया
विष पीकर खुद है नील कण्ठ कराया
भक्तों का कष्ट हरते हो सदा सुखकारी
दुख हरो मेरा कैलाशपति त्रिपुरारी

जिसने जो मांगा दे भोले कहलाए
तन में अपने तुम रहो भभूत रमाए
भक्तों के क्षण में देते संकट हारी
दुख हरो मेरा कैलाशपति...

है भक्त तुम्हारे तुमसे पूरा पाते
तुम सब कुछ देकर भांग धतूरा खाते
हम क्यों ना जाएं हे शिव तुम पर बलिहारी
दुख हरो मेरा कैलाशपति...

हैं देव सभी यश गान तुम्हारा करते
ब्रह्मा भी हैं सम्मान तुम्हारा करते
दीनों के तुम ही हो कमल रखवाली
दुख हरो मेरा कैलाशपति त्रिपुरारी

ऐ शंभु तुम्हें अपना...

ऐ शंभु तुम्हें अपना बनाना ही पड़ेगा
इस पाप जाल से छुड़ाना ही पड़ेगा

भक्तों के बस में हरदम होते तुम आए हो
मेरे भी बस में तुमको आना ही पड़ेगा

बेलपत्र धतूरा लिए आए हैं हम प्रभो
इस तुच्छ भेंट को तुम्हें अपनाना ही पड़ेगा

हम भूल तुम्हें जाते हैं माया में फंसके नाथ
पर सदा याद तुम को रखना ही पड़ेगा

पापों की तीव्र लपटों में जल रहा भक्त
हे नाथ तुम्हें इसको बचाना ही पड़ेगा

हे शिव शंकर नटराजा...

मैं तो जन्म जन्म का दास तेरा
निसदिन करता मैं नाम जपन तेरा
शिव शिव शिव गूंजत मन मोरा
तुम ही मेरे प्रभु तुम ही कृपालु
करूं समर्पण दीन दयालु
हे शिव शंकर नटराजा...

तोरी जटा से बहती पवित्रता
तीन लोक के तुम हो दाता
डमरू बजाया तमस भगाया
जड़ चेतन को तुमने जगाया
हे शिव शंकर नटराजा...

अलख निरंजन शिव मोरे स्वामी
तुम्हीं हो मेरे अंतर्यामी
भूल जो कोई हुई है मुझसे
क्षमा मैं मांगूं हर पल तुझसे
हे शिव शंकर नटराजा...

लीला से तेरी डोले ये धरती
करे जो भक्ति देता तू मुक्ति
ताण्डव नृत्य प्रलय करा के
भव सागर तू पार करा दे
हे शिवशंकर नटराजा...

छवि तेरी है सबसे सुंदर
शशि विराजे तेरी जंग में
हार मणि का शोभे गले में
चमके जैसे तारे गगन में
हे शिव शंकर नटराजा..

भोले तेरा डमरू बजे...

निराकार भोले सारे देवों ने पुकारा
माथे पे देता तेरे चंदा उजियारा
सूरज भी प्यारा तुझे चंदा भी प्यारा
भोले तेरा डमरू बजे प्यारा प्यारा

गौरा ने पूजा का थाल सजाया
नंदी ने तिलक है भाल लगाया
गौरा भी प्यारी तुझे नंदी भी प्यारा
भोले तेरा डमरू बजे...

तन में भोले तूने भभूत लगाया
भंग भी खाई धतूरा भी खाया
कांधे पे भोले तूने सर्पों को धारा
भोले तेरा डमरू बजे...

भक्तों की खातिर हे भोले तू जागा
सबको दिया तूने जिसने जो मांगा
बद्रीनाथ छोड़ के केदार तू सिधारा
भोले तेरा डमरू बजे...

देवी माता
के भजन

घनन घनन घंटा बजे...

तर्ज—चप्पा चप्पा चरखा चले

घनन घनन घंटा बजे, घनन घनन घंटा बजे
हे सांचा दरबार तेरा, नित न्यारे साज सजे॥ टेक॥

न्यारा है न्यारा है द्वारा ये तेरा मइया
घनन घनन...

महिमा तेरी भारी वेद पुराणों में गाई है
तुम्हीं जग को रचतीं तुम्हीं में तो महामाई है
तीनों देव भजें, घनन...

ऊंचा भवन तेरा मां सबको प्यारा है
सूरज और चंदा करे जहां उजियारा है
देवों के धाम लजे, घनन...

तूही सबकी मैया सारे जग की खिवैया है
जो कृपा तेरी हो, पार लगे टूटी नैया है
कठिनाई सुलझें, घनन...

गमों से घिरा मां अब तेरा ही सहारा है
भक्त सुन आया दुखी मां को प्यारा है
न तेरे चरन तजें, घनन घनन...

आती है भूरे शेर पे...

तर्ज—आए हो मेरी जिंदगी

आती है भूरे शेर पे मैया पुकार सुनके
भक्तों विश्वास रखना आए
भक्तों विश्वास रखना आए रखवार बनके
हर दिल में मां बसी है करुणा और प्यार बनके
भक्तों विश्वास रखना, आए रखवार बन के
आती है...

मेरे भाई मेरी बहन, सदा मां का ध्यान धरना
हर मां को है जरूरी सबका कल्याण करना
गम की घटा जब छाए छाय उजियार बनके
आती है...

खुशहाली घर में आए, मां को न भूल जाना
जब जुल्म कोई ढाए, महामाई को बुलाना
मुर्दों को भी जिलाए, अमृत की धार बनके
आती है...

सांचा है द्वारा मां का, भेद भाव यहां नहीं है
हो राजा या दरिद्री जहां प्यार मां वहीं हैं
भक्त का है कहना खोलो तो द्वार मन के
आती है...

जब मइया को लाल रंग का...

जब मइया को लाल रंग का चोला लाएगा
चोला दूजा और न कोई मां को भाएगा

उषा की लाली से रंग की, रेशम साड़ी को तुम लाना
करें सितारे जगमग उस पर गोटे से उसे सजवाना
जरी किनारी मोतिनवारी झालर से सजवाएगा
जब मइया को...

रंगा दुपट्टा गुलनारी और काम सुनहरी करवाना
बीच बीच में हीरे मोती, चांद सितारे जड़वाना
कीमखाब का बना दुपट्टा शोभा पाएगा
जब मइया को...

श्रद्धा प्यार भरा तेरा चोला, मैया अंग लगाएगी
स्वर्ग सिंहासन बैठी मैया मंद मंद मुस्काएगी
हो दयाल भण्डारा खोले तू निहाल हो जाएगा
जब मइया को...

पर्वत पे चढ़ते ही...

तर्ज—घर से निकलते ही

पर्वत पे चढ़ते ही कुछ आगे बढ़ते ही
आता है मां का भवन
स्वर्ग सा लगता वो, आनंद भरता वो
अनोखी है उसकी छवि
पर्वत पे...

शोभा भवन की मन हरने वाली
भक्तों के मन में सुख भरने वाली
चम चम चमकता, सुवरन शिखर है
रहा लाल झण्डा, उस पर फहरा रहा
आनंद भर दे, दुख सारा हर ले
बहती सुगंधित पवन
पर्वत पे...

देवों ने यहां पे लगाए हैं डेरे
नारद गान करते सांझ सवेरे
शिव, विष्णु खड़े यहां स्तुति हैं करते
दुर्गा मां सुनती ब्रह्मा वेद पढ़ते
गंधर्व गावें सब मोद मनावें
ऋषि मुनि करते हवन
पर्वत पे...

भक्तों शेरांवाली है...

शेरांवाली है शेरांवाली है
शेरांवाली है सिंह पे चढ़ी
सब बोलो मिलके जैकारा भक्तों सब बोलो ॥ टेक ॥

ये मैया है ममता की मूरत
झलके प्यार है भोली है सूरत
दर्शन करने पर्वत चढ़ते हम जाएं
बच्चे या बूढ़े कोई मुश्किल न पाएं
करके झांकी, मन खुश हुआ
कि दुख सारा तन मन का है मिटा
कैसा चमत्कार भक्तों शेरांवाली है...

मां ने रचाया यह सारा जगत है
आज्ञा से इसकी सारी सृष्टि चलत है
खिलते हैं फूल पेड़ पौधे उगत हैं
सूरज और चंदा की फेरी लगत है
सारे देव करें इसको नमन
भक्त दुख का ये करती शमन
सांचा यह दरबार भक्तों शेरांवाली है...

अंबे तेरा सच्चा है दुआरा...

तर्ज—दीदी तेरा देवर दिवाना

अंबे तेरा सच्चा है दुआरा
जहां आय मिट जाता है दुख सारा
महिमा गाता है तेरी जग सारा
मिल जाए दुखियों को यहां सहारा ॥ टेक ॥

हैं ऊंचे पहाड़ों पर दरबार तेरा
जहां पर लगे सारे देवों का डेरा
हैं तेरी आज्ञा में ये सूरज और चंदा
रहे जीवों पर माता तेरा ही फंदा
तेरा ही तो सब कुछ हमारा
जहां आय...

मां अंबे वरदानी तू ही ज्योतां वाली
जोती से तेरी मां दुनियां में उजियाली
जगदंबे जग जननी तू माता कल्याणी
देवों ने तुमको सदा ही सन्मानी
चली आती हो तुम जब भी पुकारा
जहां आय...

मन की मुरादें मां पूरन तुम करतीं
अन्न धन से तुम घर भक्तों का भरतीं
ऊंचे भवन ध्वजा तेरी फहरावे
महिमा अपार तेरी भक्तन सबको बतावे
लिखा ग्रंथों में यश तुम्हारा
जहां आय...

अंबे देख हां देख...

तर्ज—अम्मा देख तेरा मुण्डा

अंबे देख हां देख तेरा भक्ता द्वारे आए
दुर्गे देख हां देख तेरे भक्ता द्वारे आए

इनको झांकी तू दिखला दे
मन की पूरी आसं करा दे
इसकी खाली झोली भर दे
इनके दुखड़े सभी मिटा दे

इनका बेड़ा पार लगा दे
भव से मैया इनको तरा दे
मन में ज्ञान की ज्योति जगा दे
इनको सांची राह बता दे

तेरा ही तो है सच्चा...

सांची है तू सांची है तू
सारे जग में तेरा, मां होता जय जयकार
तेरा ही तो है सच्चा देवों में दरबार

तू ही रचाती तू ही मिलाती
ओ महामाई अंबे कहाती
तू ही जग की आधार
तेरा ही तो है...

ओ मां शेरांवाली तू जगदंबे काली ओ मां
तेरी कण कण में दिखे जोती जोतां वाली
देवो की तू है शक्ति सुर मुनि करते भक्ति
असुरों का कराए संहार तेरा ही तो है
तेरा ही तो है...

मनमाने वर देती, ओ कल्याणी माता
हो जाते हैं निर्भय कोई दुख नहीं रह जाता
प्रभु बालक हम तेरे विपदाओं ने घेरे
अब क्यों कर रखी अबार
तेरा ही तो है...

सांकल खोल मैया...

भक्त आए हैं हम तेरे द्वार सांकल खोल मैया
तेरी करते हम सब जै जैकार सांकल खोल मैया

आए हैं हम सुनके महिमा तुम्हारी
सुर मुनि जनों की तूने विपदा टारी
सुन ले हमारी भी अब तू तो पुकार
सांकल खोल मैया
करते तेरी हम जै जैकार...

हाथ मुरादों की थाली सजाई
प्रेम के फूल चुन चुन माला बनाई
बहे आंखों से असुअन की धार
सांकल...

भक्तों ने तुमको जब जब पुकारा
लेकर के आई तुम कर में दुधारा
तेरी शक्ति का पाया न पार
सांकल...

भक्तन तेरी सबसे दुलारी
अपने जनों की बेवफाई से हारी
अब तो बिगड़ी को तू ही संवार
सांकल...

चल्ला चल्ला रे भक्तों का...

तर्ज—चल्ला चल्ला रे ड्राइवर

चल्ला चल्ला रे भक्तों का टोला हौले हौले
जय माता, जय माता का जयकारा बोले

सच्ची है यह देवी मैया जग में शेरांवाली
कलियुग में देवी की महिमा देखी बड़ी निराली
ज्वाला में है ज्वालामाई, कलकत्ते में काली
मुंबई में है मुंबा देवी, कैला करौली वाली
जाती चल रहे भेंटें गाते बाजे ढोलक ढौले
चल्ला चल्ला...

चमत्कार मां की ज्योती का जोत जलाकर देखो
शेरांवाली मां से अपनी लगन लगाकर देखो
मां की भक्ती का फल तुम इन्हें बुलाकर देखो
महिमा मां की अपनी आंखों दरबार में आकर देखो
भक्त इच्छा का पूरन है मां भण्डारा खोले
चल्ला चल्ला...

माता माता खबर तुम लेना...

तर्ज—तोता सजन से कहना

माता माता माता माता
माता माता सहारा देना
माता माता खबर तुम लेना माता...

सुना है मैंने मैया तुम हो बिगड़ी बनाने वाली
मानव जन की क्या बतलाएं देवों की विपदा टाली
शुंभ निशुंभ और रक्तबीज मां तेरे हाथ बचे ना
माता माता...

कोई हाथ लगा नहीं सकता जिस पे तू हाथ रखे
तेरी करनी कोई न टाले जो अपने हाथ लिखे
जिसको मां तू मारन चाहे, जिंदा कभी रहे ना
माता माता...

सुन लो मेरी पुकार ओ माता, दुष्टों ने मुझे घेरा
और कोई न दिखे सहारा, तुम बिन कोई न मेरा
ये 'लता' खड़ी तेरे द्वारे दर्शन अपने देना
माता माता...

आए हम मैया तुम्हारी...

तर्ज—बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम

बहुत देर कर दी अब तो दे दो दर्शन
आए हम मैया आए तुम्हारी शरन
बहुत देर...

सुना है तेरा हमने सच्चा है द्वारा
दुखियों को मिलता यहां पे सहारा
महामाई करती तुम दुखों का हरन
आए हम मैया आए तुम्हारी शरण...

वेद तुम्हें माता, ब्रह्माजी पढ़ाते
विष्णु और शंकर स्तुति हैं गाते
इंद्र भरे जल बुहारी दे पवन
आए हम...

तीन लोकों में है महिमा तुम्हारी
ज्योति तुम्हारी से फैली उजियारी
ऊंचे पर्वत पर तुम्हारा भवन
आए हम...

असुरों ने जब जब कीनी चढ़ाई
लड़ने को तब तुमने तलवार उठाई
तुम्हारे ही हाथों हुआ है मरन
आए हम...

सच्चा है मां का दरबार...

सच्चा है मां का दरबार चल भक्ता उस मां के द्वार
ये मइया दयालु बड़ी सुन लेगी तेरी पुकार
दुखड़े ये तेरे सभी देगी एक छिन में निवार
ये मैया दयालू बड़ी सुन लेगी तेरी पुकार॥ टेर॥

जैकारा लगाओ उसकी जोत तुम जगाओ
चरनों में मां के अपना शीश तो झुकाओ
तू सेवक अगर है तो मां की नजर है
दुख सुख तेरे की सब उसको खबर है
सच्चा है मां का...

सब जीवों की ये जीवन की दाता
पावनकारी जगत की है ये माता
ये सृष्टि रचाती ये ही सूरज उगाती
चांद तारों से ये ही नभ को सजाती
सच्चा है मां का...

दिल में बसाओ मूरत मां की सुहानी
दुख मिटे सुख से बीते जिंदगानी
भक्तों पर उसकी सदा ही महर है
मां का मंदिर प्रभु दुखियों का घर है
सच्चा है मां का...

दुर्गे मैया तेरे द्वार...

दुर्गे मैया तेरे द्वार, भक्त खड़े हैं बेशुमार
दर्शन तू दे दे जल्दी करते तेरी जय जयकार
अब तो देर हुई तू ही मां तू ही
करती सबको प्यार॥ टेर॥

आजा आजा सब कहें आंसू आंखों से बहें
नहीं देरी अब सहें आजा तुम बिन ना रहें
हुई क्या खता क्या खता तू बता
अब होता नहीं इंतजार, दुर्गे...

सुना हमने यहां वहां हो बहुत मेहरबान भोली
खड़े हैं हम तो पसारे भर दो हो दयावान झोली
भक्तन को ले शरण ले शरण
तो हो जाए बेड़ा पार, दुर्गे मैया...

हम तेरे द्वार आ गए...

हम हैं तेरे दरवेश, हम तेरे द्वार आ गए
काटो मां कलेश हम हैं तेरे दरवेश॥ टेर॥

ये आंखियां तेरे दर्शन की प्यासी
प्यास बुझा दो प्यास बुझा दो
जन्म जन्म से भटक रहे हैं
दरश दिखा दो दरश दिखा दो करते याद हमेशा
हम तेरे द्वार...

दिल का दर्द जुबां पर लाया
हे महामाया हे महामाया
तूने उसको गले लगाया
जो दर आया हे महामाया रंक हो चाहे नरेश
हम तेरे द्वार...

अपनी दुनिया छोड़ के आए
तेरी नगरिया में महारानी
ऊंचे पर्वत गहरी खाई
ओट मैया गंगा का पानी, ठण्डा शीतल देश
हम तेरे द्वार...

तुझे बुलाएं मन मंदिर में
जोत जगाके जोत जगाके
बैठे हैं हम चंचल ध्यान लगाके हृदय करो प्रवेश
हम तेरे द्वार...

ओ शेरां वाली कर किरपा...

तेरे नाम दी जपां मैं माला
ओ शेरांवाली कर किरपा तेरे नाम दी

ए जग कलियां फूल ने तेरे तू बागां दी माली
मेरी बगिया विच है पतझड़ करम कमावण वाली
भरो झोली मेरी मात ज्वाला दाती भरो झोली
ओ शेरांवाली...

मन मंदिर दे विच भवानी आकर करो बसेरा
अपनी ज्योति दे दे मत्था होवे दूर अंधेरा
मेरी दुनिया विच कर दे उजाला ओ जोतां वाली
ओ शेरांवाली...

तू चाहे उजड़े बन विच कोयल गीत सुनाए
सीपियां दे विच तेरी जोती जा मोती बन जाए
तेरी भक्तन है खेल निराला माला तेरे नाम
ओ शेरांवाली...

गोदी विच बिठाके दे दे...

फूलों का बनाया तेरा हार शेरांवालिए
गोदी विच बिठाके दे दे प्यार शेरांवालिए

हो भगत ध्यानू ने ध्यान तेरा लाया सी
कटे होए घोड़े दा मां सीस मिलाया सी
शहंशाह दा तोड़या अहंकार शेरांवालिए
गोदी विच बिठाके...

हो चण्डी रूप धार के तू दुष्टा नू मारया
श्रद्धा लैके आवे तू उसदा बेड़ा तारया
सबना लई खुला तेरा द्वार शेरांवालिए
गोदी विच...

ओ शेरांवाली दा द्वारा...

ओ शेरांवाली दा द्वारा सारे जग तो न्यारा
लगे भगतां नू प्यारा ओ शेरांवाली दा द्वारा

तेरे दर ते जो वी आवै-जै हो
मुंह मांगियां मुरादां पावे-जै हो
ओ तेरा नाम ध्यावै-जै हो
तेरी महिमा अपरंपार
ओ शेरांवालिए...

देवतयां संसारी तेरे दर दे ने भिखारी
तैनू पूजे दुनियां सारी ओ मैया आदि कुमारी
ओ मेरा किसे न पाया पार शेरां वाली दा...

शिव शंकर भी ध्यान लगां दे-जै हो
ब्रह्मा भी वेद सुनां दे-जै हो
सब तेरी कृपा चाहंदे-जै हो
तू ही जग दी पालनहार
ओ मां जग दी वाली दा...

तू अटके बेड़े तारे-जै हो
तू बिगड़े काम संवारे-जै हो
तू भरदे मां भण्डारे-जै हो
मां सुन तू बचियां दी पुकार
ओ मां जोतां वाली दा...

चलो चलिए गुलाबी रुतां...

चलो चलिए गुलाबी रुतां आइयां
सानू माता ने चिट्ठियां पाइयां
चलो चलिए गुलाबी...

मां मेरी दे खेल न्यारे स्वर्गां सोणे मां दे द्वारे
झण्डे झूटन खड़कन कलियां संगता दे नाल संगता रलियां
लंबा पैड़ा ते उंचियां चढ़ाइयां
सानू माता ने...

सिर ते चुन्नी सूहे बाणे बनके टुट पये मां दे दिवाने
इक दूजे ते प्यार लुटां दे, जय माता दी कर दे जांदे
नच नच सारे मां नू मनाइयां मां झोली दे सदके जाइयां
करमां वालियां मां दियां रहवां
ओ करमा...

होवण सबदियां दूर बुलावा
आज सबनां ने खुशियां मनाइयां
सानू माता ने...

मिल जाए कंजक भोली उच्चा नींवा ना तू बोलीं
मैया दर्शन दिखा सकदी ऐ कंजक रूप विच आ सकदी ऐ
गल्लां कर दे ने परताइयां
मेहरां दे पई छिट्टे मारे दर्शों सबदे काज संवारे
ओ दर्शों सबदे...

जिसका इक नहीं लक्खां तारे
एत्थे झोलियां सबने फलाइयां
सानू माता चलो...

रख लाज ढक परदे...

रख लाज ढक परदे रख लाज ढक परदे
आए दातीए भिखारी दर दे रख लाज ढक परदे...

दयावान तेरी दया दा है पार कोई ना
मेहरां वाली काहनू मेरे उत्ते मेहर होई ना
खाली दिल दा प्याला भर दे
रख लाज...

बेड़ी जिंदगी दी डोल दी किनारा कोई ना
दाती डुबदा मैं जावां सहारा कोई ना
फड़ बाहं पार लगा दे
रख लाज...

मेरी करमां दा नईं होना किताब राणिऐ
मेरे पापां दा नईं होना हिसाब राणिऐ
हत्थ मेहर दा सिर ते धरदे
रख लाज...

दर आया दर-दर दी मैं खाक छानके
भुल जोश दी भुलादे भोला बाल जाणके
भर के दुख हरदे
रख लाज...

बिन तेरे शेरों वाली...

मैया तेरे दर्शनों को सिर हैं झुकाए
बिन तेरे शेरों वाली चैन न आए

तुझ सी दयालु हमने देखी ना जगत में
मैया तेरा ध्यान सदा रहता है भगत में
भक्ति में तेरी हम हैं आंखें बिछाए
बिन तेरे शेरों वाली चैन न आए

मैया तेरे दर्शनों को सिर हैं झुकाए
बिन तेरे शेरों वाली चैन न आए

भक्तों का तेरा मैय्या साथ रहा है
भक्तों में तेरा मैया हाथ रहा है
भक्तों की खातिर तूने खड्ग चलाए
बिन तेरे शेरों वाली चैन न आए

मैया तेरे दर्शनों को सिर हैं झुकाए
बिन तेरे शेरों वाली चैन न आए

भक्तों की खातिर तूने दुष्टों को मारा
चंड मुंड का मैया शीश उतारा
मैया तेरे द्वारे आज फिर हम हैं आए
बिन तेरे शेरों वाली चैन न आए

मैया तेरे दर्शनों को सिर हैं झुकाए
बिन तेरे शेरों वाली चैन न आए

माता के दर्शनों को...

माता के दर्शनों को हम आज जा रहे हैं
हम सफल आज अपना जीवन बना रहे हैं

है गरुड़ जिसका वाहन देवी वो हमारी है
वह वैष्णव की देवी हम सबको प्यारी है
पूजा पे उसकी अपना हम सिर झुका रहे हैं
माता के दर्शनों को हम आज जा रहे हैं

हैं भक्त इसको प्यारे भक्तों को मां है प्यारी
बालक हैं हम सब ये मात है हमारी
माथे से चरण रज को मां की लगा रहे हैं
माता के दर्शनों को हम आज जा रहे हैं

इच्छा है जो हमारी पूरी करेगी वह मां
खाली है गोद जिसकी वह भी भरेगी मां
उस मां के दर्शनों के हम गीत गा रहे हैं
माता के दर्शनों को हम आज जा रहे हैं

श्रद्धा के फूल लेकर हम चल पड़े हैं घर से
दर्शन अवश्य देगी आशा है मातेश्वरी से
मंदिर 'गुरुदेव' मन में मां का बना रहे हैं
माता के दर्शनों को हम आज जा रहे हैं

रे मन चल मैया के...

रे मन चल मैया के...
रे मन चल मैया के पास

झूठी है ये जग की माया
झूठी है ये तेरी काया
कर मां पर विश्वास
रे मन चल मैया के पास

कुटुंब कबीले में तू खोया
देख बुढ़ापे को तू रोया
काहे रहत उदास
रे मन चल मैया के पास

मां का नाम सदा है सच्चा
भक्ति-फल क्यों नहीं चक्खा
कर इसका एहसास
रे मन चल मैया के पास

दुखी जनों की सेवा कर ले
मन से मां की पूजा कर ले
होगा नहीं निराश
रे मन चल मैया के पास

चलो मां के दर्शन को...

चलो मां के दर्शन को आज
सजाकर अपना सभ्य समाज

भरो मन में तुम मां का प्यार
बना श्रद्धा सुमनों का हार
बजाओ भक्ति का सब साज
चलो मां के दर्शन को आज

त्याग दो क्रोध करो ना पाप
करो मन से मइया का जाप
बना देगी मां बिगड़े काज
चलो मां के दर्शन को आज

वैष्णव देवी है वरदान
है श्रद्धाओं का तीर्थ महान
जहां देवी करती हैं राज
चलो मां के दर्शन को आज

मिलेगा मोक्ष प्यार वरदान
मिलेगा मां का भक्तिदान
बना देगी मां सारे काज
चलो मां के दर्शन को आज

ओ शेरों वाली आकर के...

मैया तेरी याद ने बहुत हम सताए
अब तो आजा शेरां वाली दर्श दिखा जा
अपने ही भक्तों को मां कैसे रुलाए
आजा मैया आकर उन्हें धीर बंधा जा
भक्तों को अब ना रुला
ओ शेरों वाली आकर के दर्श दिखा

संकट है हम पर पड़ा
ओ शेरों वाली तू है जगत की मां
तारावती को दिया तूने ही सहारा मां
राजा हरिश्चंद्र का भ्रम तूने ही निवारा मां
दुष्टों को खड्ग लेके तूने ही मारा मां
आज फिर पड़ा है संकट भक्तों पे मां
आकर के दे वो मिटा
ओ शेरों वाली आकर के दर्श दिखा

जब-जब पड़ी मां भीड़ तूने ही सहारा दिया
दीनों को गरीबों को मां तूने ही उबारा दिया
भटका भव सागर से जो तूने ही किनारा दिया
अपने सभी भक्तों को मां हाथ का सहारा दिया
गोदी में लो मां लिटा
ओ शेरों वाली तू है जगत की मां
भक्तों को अब ना रुला
ओ शेरों वाली आकर के दर्श दिखा

कभी भक्तों के घर...

कभी भक्तों के घर में आ माता
इन संतों के घर में आ माता

ये अंखियां कब से प्यासी मां
अब कर दे दूर उदासी मां
हम भक्तों के घर में आ माता
इन संतों के घर में आ माता

दुख सबके हरने आ माता
सुख झोलियां भरने आ माता
श्रद्धा से तेरी ज्योत जलाए बैठे हैं
इतना भी सताना ठीक नहीं
बच्चों को रुलाना ठीक नहीं
बड़ी देर है कर दी आ माता
संगत प्रतीक्षा कर दी आ माता

अब रख दो दया का सिर हाथ मां
रहम खा के बिगड़ी बना दो आप मां
तू दाती दया की मूरत है, बच्चों को तेरी जरूरत मां
बड़ी करनी है बातें-आ माता
लिखनी चार बातें-आ माता

तुझ-सी दयालु तीन लोक में कोई नहीं
फिर भी चिंता तुझको हमारी ही नहीं
अब अर्जी ये मंजूर करो, निर्दोष दया का नूर करो
अंधियारा मिटाने-आ माता
अंकुश का अंकुर मिटाने-आ माता

ये अंखियां कब से प्यासी मां
अब कर दे दूर उदासी मां
कभी भक्तों के घर में--आ माता
इन संतों के घर में-आ माता

तेरे द्वार का मइया

तू सोने के छत्रों वाली है
तेरे द्वार का मइया क्या कहना
जो जोत जगा कर दीया हमें
उस प्यार का मइया क्या कहना

तू नानक है कुलदीपक है
तेरे दीप खजाने भरे हुए
रख दिल पे दया का हाथ जरा
वो सूखे वृक्ष भी हरे हुए
तेरे हुए कभी न खाली मां
इस हाथ का मइया क्या कहना
तू सोने के छत्रों वाली है
तेरे द्वार का मइया क्या कहना

तेरी छाया में है हरी भरी
तेरा जलवा फिर भी झूठी है
मां मूढ़ मति ये क्या जाने
तू कहां ये है जिस रूप है
ये जोत जो तेरी पकड़ी है
तलवार का मइया क्या कहना
तू सोने के छत्रों वाली है
तेरे द्वार का मइया क्या कहना
जो जोत जगाकर दिया हमें
उस प्यार का मइया क्या कहना

दुर्गे भवानी आई रे...

तर्ज—पुरवा सुहानी आई रे पुरवा

दुर्गे भवानी आई रे देवी दुर्गा
आई सिंह पे सवार, छाया तेज बेशुमार
खुशियां हजारों लाई रे देवी दुर्गा॥ टेर॥

तूने ही महिषासुर मारा
मधु कैटभ को तूने पछाड़ा
पहने मुण्डों की माला
क्रोध की भड़के ज्वाला
रूप अनोखा पाई रे, देवी दुर्गा...

देवों के दुखों को टारे
शुंभ-निशुंभ दनुज संहारे
तेरी ना सानी है दुनियां ने मानी है
महिमा सभी ने गाई रे, देवी दुर्गा...

जो कोई द्वार तुम्हारे आया
मुंह मांगा सभी ने पाया
पल में भंडार भर दे तू जो चाहे कर दे
पर्वत को भी राई रे, देवी दुर्गा...

तुम ही हो मां जग की जननी
आस लगी चरणन की
दुखों ने घेरा है जीवन ये मेरा
है दिल में उदासी छाई रे, देवी दुर्गा...

बता दो हे जगत जननी...

तर्ज—मुझे तेरी मुहब्बत का सहारा मिल गया होता

बता दो हे जगत जननी, मेरा उद्धार कैसे हो
बह रहा हूं अगमधारा में, बेड़ा पार कैसे हो॥ टेर॥
नहीं श्रद्धा न है भक्ति, नहीं विद्या नहीं बुद्धि
तेरे दासों में हे माता, मेरा शुमार कैसे हो
बहुत भटका हूं विषयों में, कहीं भी शक्ति नहीं पाई
फंसा मद मोह माया में, मेरा निस्तार कैसे हो
बता दो हे जगत...

चली अविवेक की आंधी, नहीं कुछ सूझ पड़ता है
मेरे मानस के मंदिर में, तेरा दीदार कैसे हो
मैं जैसी हूं तुम्हारी हूं, भरोसा आपका भारी
तो किससे करूं फरियाद, मंजिल पार कैसे हो
बता दो हे जगत...

सहारा दो महाशक्ति, मैं पंगु हूं अति दीना
बड़ी उलझन में उलझी हूं, कहो उद्धार कैसे हो
यही विनती है सेवक की, जगत को प्रेममय देखूं
करूं बलिदान स्वार्थ का, यह पर उपकार कैसे हो
बता दो हे जगत...

कभी फुरसत हो तो...

तर्ज—बाबुल की दुआएं लेती जा

कभी फुरसत हो तो जगदंबे
निर्धन के घर भी आ जाना
जो रूखा-सूखा दिया हमें
कभी उसका भोग लगा जाना ॥ टेर ॥

ना छत्र बना सका सोने का
न चुनरी घर मेरे तारों जड़ी
ना पेड़े, बर्फी मेवा है मां
बस श्रद्धा से नैन बिछाए खड़ी
इस श्रद्धा की रख लो लाज हे मां
इस अर्जी को ना ठुकरा जाना
कभी फुरसत...

जिस घर के दीये में तेल नहीं
वहां ज्योत जलाऊं मैं कैसे
मेरा खुद ही बिछौना धरती पर
तेरी चौकी सजाऊं मैं कैसे
जहां मैं बैठा वहीं बैठ के मां
बच्चों का दिल बहला जाना
कभी फुरसत...

तू भाग्य बनाने वाली है मां
और मैं तकदीर का मारा हूं
हे दाती संभालो भिखारी को
आखिर तेरी आंख का तारा हूं
मैं दोषी तू निर्दोष है मां
मेरे दोषों को तुम भुला जाना
कभी फुरसत...

तू आ भी जा...

तर्ज—हंसता हुआ नूरानी चेहरा

जगमग जागे ज्योत तुम्हारी, तेरी महिमा सबसे न्यारी,
करके मैया सिंह सवारी, तू आ भी जा तू आ भी जा ॥ टेर ॥

आज चल के आया मैं, मैया बड़ी दूर से
झोली तो भर दो मां, आज अपने नूर से
हे भवानी हे भवानी सुन कहानी मां सुन कहानी
करता हूं मैं तेरी इल्तजा
तू आ भी जा...

आज भवन तेरा मां, भक्तों ने घेरा
वचनों के बंधन जा, बंधा दास तेरा
हे मां ज्वाला हे मां ज्वाला कर उजाला मां कर उजाला
हो गई क्या मुझसे खता
तू आ भी जा...

आस मेरी कब तक रहेगी अधूरी
बोलो भवानी क्या होगी न पूरी
बच्चे तेरे दर पे आए आंसुओं की भेंट लाए
हो गई क्या मुझसे खफा
तू आ भी जा...

नसीब तेरा जाग जाएगा...

तर्ज—मेरे दिल की पतंग कट गई

झूठी दुनियां से मन को हटा ले
ध्यान मैया के चरणों में लगा ले
नसीब तेरा जाग जाएगा, नसीब तेरा जाग जाएगा ॥ टेर ॥

झूठे संसार का तो चलन अनोखा है
पग-पग खाया यहां, धोखा ही धोखा है
मान जाए यदि मैया को मना ले
ज्योत इसकी तू दिल में जगा ले
नसीब तेरा...

माल तेरे पास है तो माल तेरा खाएंगे
हुआ जो खत्म तो नजर नहीं आएंगे
महामैया को तू अपना बना ले
प्यार इनका अनूठा पा ले
नसीब तेरा...

शेरां वाली मैया मेरी ममता की खान है
दुखियों को प्यार देती, बड़ी ही महान है
हाथ इनका तू सर पे रखा ले
काम फिर चाहे कुछ भी करा ले
नसीब तेरा...

सारे भक्त मैया जी के चरणों का दिवाना है
सारा जग झूठा, सच्चा इसका ठिकाना है
शिव चरणों में लौ को लगा ले
बात बन जाए, बात को बना ले
नसीब तेरा...

तेरे द्वार मैं आऊंगा...

तर्ज—सौ बार जन्म लेंगे

तेरे घर मैं आऊंगा, तेरा दर्शन पाऊंगा।
मेरी दुख की कहानी मां, रो रो के सुनाऊंगा॥ टेर॥

मां इस दुखियारे को, चरणों में जगह देना
दुखों की हवा ना लगे, दामन में छुपा लेना
तेरी इस रहमत को मां, हरगिज ना भुलाऊंगा
तेरे द्वार मैं...

जब जब भी जन्म लूं मैं, तुमसे हो यही नाता
रहे हाथ तेरा सिर पे, तुम्हीं हो माता पिता
तेरी गोद में जग जननी, जन्नत मैं बसाऊंगा
तेरे द्वार मैं...

दुनियां के झमेलों से, ऐसा मैं हूं घबराया
तुम तो ना भुला देना, दुनियां ने है ठुकराया
कब तक बिना दर्शन के, जीवन मैं बिताऊंगा
तेरे द्वार मैं...

मां तेरे ही नगमों की, लहरों में रहूं बहता
लिख-लिख के तेरी महिमा, दुनियां से रहूं कहता
शीतल तेरी ज्योति को, मन में मैं बसाऊंगा
तेरे द्वार मैं...

तूने मुझे बुलाया शेरां वालिए...

तूने मुझे बुलाया शेरां वालिए
मैं आया मैं आया शेरां वालिए
ओ ज्योतां वालिए, पहाड़ां वालिए, ओ मेहरां वालिए
मैं आया मैं आया शेरां वालिए॥ टेर॥

सारा जग है एक बंजारा
सबकी मंजिल तेरा द्वारा
ऊंचे पर्वत लंबा रस्ता
पर मैं रह ना पाया शेरां वालिए, मैं आया...

सूने मन में जल गई बाती
कीर्तन में मां मिल गए साथी
मुंह खोलूं क्या तुझसे मांगूं
बिन मांगे सब पाया शेरां वालिए, मैं आया...

कौन है राजा कौन भिखारी
एक बराबर तेरे सारे पुजारी
तूने सबको दर्शन देके
अपने गले लगाया शेरां वालिए, मैं आया...

प्रेम से बोलो जय माता की
सारे बोलो जय माता की
आते बोलो जय माता की
जाते बोलो जय माता की
कष्ट निवारे जय माता की
पार उतारे जय माता की
मेरी मां भोली, मां भर दे झोली
वो पार उतारे जयमाता की
वो कष्ट निवारे जयमाता दी जय माता दी...

करुणा निधान हो...

तर्ज—चौदहवीं का चांद हो

करुणा निधान हो, मां तुम महान हो
हम पर भी दया की नजर, दयावान हो
करुणा निधान हो॥ टेर॥

लेकर पति को गोद में, मां हो गई सती
दुल्हन सजा के लाया तुम्हें, धन्य वो पति
लाखों चिता की लौ से अधिक, तेजवान हो
करुणा निधान हो...

चुनरी है तेरी आसमां, तारे जड़ी हुई
कर जोड़े तेरे द्वार पे, दुनियां खड़ी हुई
पलकें उठा के देखो-जरा, मेहरबान हो
करुणा निधान हो...

भक्त कहे है माता, हमें आसरा तेरा
तेरे सिवा बता दे मां, कौन है मेरा
चरणों की धूल में है मां, रतनों की अदा
करुणा निधान हो...

जगदंबे मां दुर्गा मुझे तेरा ही...

तर्ज—एक प्यार का नगमा है

मेरे मन मंदिर में मां तेरा उजियारा है
जगदंबे मां दुर्गे मुझे तेरा ही सहारा है ॥ टेर ॥
तू ही ब्रह्माणी है तू ही रुद्राणी है
तू ही कमला राणी, तू ही वीणा पाणी है
तू सिंह-वाहिनी है तू ही मां तारा है
जगदंबे मां दुर्गा...

तू सर्वमंगला है महामाया काली है
कोई पार नहीं पाया तेरी महिमा निराली है
जब जब भीड़ पड़ी मां तुझको बुलाया है
जगदंबे मां दुर्गा...

तू संकट तारिणी है तू भव-भय हारिणी है
अपने भक्तों के लिए अवतार धारिणी है
भक्तों को तारा है, दुष्टों को संहारा है
जगदंबे मां दुर्गा...

सब नाम जपे तेरा, और ध्यान धरे तेरा
भक्तों की निशदिन, गुणगान करे तेरा
ऐसा ही मां वर दो, यह दासी तुम्हारी है
जगदंबे मां दुर्गा...

मुझे मां शरण में...

तर्ज—जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा

मुझे मां शरण में बुलाना पड़ेगा
भली हूं बुरी हूं तेरे दर पे पड़ी हूं
मुझको उठाना पड़ेगा
तुझे मां ये रिश्ता निभाना पड़ेगा
बेटी हूं तेरी कोई गैर नहीं हूं अपनाना पड़ेगा
मुझे मां शरण में बुलाना पड़ेगा ॥ टेर ॥

ममतामयी मां दया का हो सागर
खाली पड़ी क्यूं बता मेरी गागर
नादां हूं जानूं न कुछ भी मैया,
तुझको बताना पड़ेगा
मुझे मां...

तमन्ना यही है कि पा लूं तुझे मैं
भजनों से अपने रिझा लूं तुझे मैं
मातेश्वरी, शंभुप्रिया मेरे गीतों को,
सुनने आना पड़ेगा
मुझे मां...

जानूं ना पूजा फिर भी मैं हूं पुजारी
तेरी दया की मैं हूं भिखारी
विनती यही तुझसे मेरी मां
मुझको गले से लगाना पड़ेगा
मुझे मां...

सावन की बरसे बदरिया...

सावन की बरसे बदरिया मां की भीगे चुनरिया
भीगे चुनरिया मां की भीगे चुनरिया ॥ टेर ॥
लाल चुनड़ मां की चम चम चमके
माथे की बिंदिया दम दम दमके
हाथों में छलके मुंदरिया, मां की भीगे चुनरिया
सावन की बरसे...

ऊंचा भवन तेरा, ऊंचा है डेरा
कैसे चढ़ूं ऊपर, पांव फिसले है मेरा
टेढ़ी मेढ़ी है डगरिया, मां की भीगे चुनरिया
सावन की बरसे...

छायी हरियाली, झूमे अमवा की डाली
होके मतवाली कूके कोयलिया काली
बादल में कड़के बिजुरिया, मां की भीगे चुनरिया
सावन की बरसे...

काता घाट पानी, भर भर के लाई
झूला झूले है वैष्णो माई
भक्तों पे मां की नजरिया, मां की भीगे चुनरिया
सावन की बरसे...

तुमको अंबे करते नमन...

तर्ज-तेरा मेरा प्यार अमर

तुमको अंबे करते नमन, चरणों में तेरे लगा है मन ॥ टेर ॥
द्वार तेरे आए हैं चाह मन में लाए हैं
ली है हमने तेरी शरण-दर्शन दे दो तरसे नयन
तुमको अंबे...

याद तेरी करके मां ध्यान तेरा धर के मां
महिमा तेरी करके श्रवन मिलता है मन को जैसे चमन
तुमको अंबे...

करते बारंबार मां, तेरी जय-जयकार मां
लेकर शब्दों के दो सुमन, भक्त करते तुझको नमन
तुमको अंबे...

मां के अंग चोला साजे...

मां के अंग चोला साजे
हरेक रंग चोला साजे ॥ टेर ॥

मात की महिमा देखो, जोत दिन रैना जागे
हे मां शेरांवालीं ए, लाटां वालिए
तू ओढ़े लाल चुनरिया, गहनों से करे शृंगार
शेरों पर करे सवारी, तू शक्ति का अवतार
तेरे तेज भरे दो नैना, जलती ज्योति के समान
तेरे द्वारे शीश झुकाए, क्या निर्बल क्या बलवान
तेरे नाम का है माता भक्तों में डंका बाजे
मां के अंग...

ऊंचा मंदिर है तेरा ऊंचा स्थान
संसार में न कोई होगा दूजा मां तेरे समान
जो आए श्रद्धा ले के वो ले जाए वरदान
हे माता तू भक्तों के सुख-दुख का रखे ध्यान
तेरे चरणों में आके, भाग न कैसे जागे
मां के अंग...

चिट्ठी माता के...

चिट्ठी माता के मंदिर तों आई
खोल के पढ़ालै भगतां
तैनूं याद करे महामाई
दर्शन पालै भगतां चिट्ठी...

अस्सां दे नराते रुत दर्शनां दी आई ए
छेती-छेती आजा भगतां देर क्यूं लगाई ए
तेरे मन दियां आस पूरियां
भेंट चढ़ावै भगतां चिट्ठी...

जम्मू जिला डाकखाना कटरे विच कंार ऐ
भगतां दा सेवक कैहंदा मैनूं इंतजार ऐ
पहाड़ां विच पड़के
टिकट कटाले भगतां चिट्ठी...

कई वर बूटे तेरे पुतरां दे लाए ने
कई वर देखे तेरे महल बनाए ने
तैंनू याद करे महामाई
दर्शन पाले भगतां चिट्ठी...

होती है मां की मुझ पे...

तर्ज—मिलती है जिंदगी में मोहब्बत

होती है मां की मुझपे इनायत कभी-कभी
ज्योति में देख लेती हूं सूरत कभी-कभी
भक्तों के आसपास ही दाती रहा करो
भक्तों के आसपास ही दाती रहा करो
पड़ती है मुश्किलों में जरूरत कभी-कभी
होती है मां...

शक्ति है तेरे नाम में भक्ति में चैन है
शक्ति है तेरे नाम में भक्ति में चैन है
सुमिरन से टल गई है मुसीबत कभी-कभी
होती है मां...

आती है या तू मां मेरी कश्ती संभालने
आती है या तू मां मेरी कश्ती संभालने
तूफान में टूट जाती है हिम्मत कभी-कभी
होती है मां...

आती नहीं वो ध्यान में सिमरों 'फलक' हजार
आती नहीं वो ध्यान में सिमरों 'फलक' हजार
ऐसी भी टूटती है कयामत कभी-कभी
होती है मां...

दुर्गे जी दुर्गे जी तेरे भक्तन...

तर्ज—जीजाजी जीजाजी मेरी दीदी

दुर्गे जी दुर्गे जी तेरे भक्तन हैं अज्ञानी
इनको रास्ता दिखलाइयो ॥ टेर ॥

बड़ी आशा से आए हैं, हम फिरते मारे-मारे
दर्शन तेरे कर लेने से पाप कटते हैं सारे
दुर्गे जी...

दर्शन करके गोविंद राज के मन में अति हरषाए
पुष्करणी में नहा करके, हम सारे पाप धुलाए
दुर्गे जी...

वैष्णों में आकर के माता पद रज शीश नवाए
माता की करके वंदना, मनवांछित फल पाए
दुर्गे जी...

शरण में आया हूं...

तर्ज—राजा की आएगी बारात

माता जी आया तेरे द्वार चरणों में रखने भार
शरण में आया हूं॥ टेर॥

आशा लेकर आया दुर्गे आज तुम्हारे द्वार
जीवन मेरा तुमरे चरणों में जग की पावन हार
भेजो ना खाली मुझे आज, जीवन में देना साथ
शरण में...

तुम बिन जीवन जग में मेरा, बिन चंदा की रात
तुम संग नाता भजन से जोड़ूं नहीं तो होगा घात
झोली मैं लाया तेरे द्वार, दर्शन की लिए आस
शरण में...

एक ही नाता तुमसे सच्चा, ये जग झूठा सपना
रहती सांसें जब तक आशा, कोई नहीं है अपना
आज मैं आया तेरे द्वार, लगाना बेड़ा पार
शरण में...

मिलता है सच्चा सुख...

मिलता है सच्चा सुख केवल
अंबे तुम्हारे चरणों में
यह विनती है पल-पल क्षण-क्षण
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
चाहे बैरी सब संसार बने
चाहे जीवन मुझ पर भार बने
चाहे मौत गले का हार बने
चाहे जीवन मुझ पर भार बने
मिलता है...

चाहे अग्नि में मुझे जलना हो
चाहे कांटों पर मुझे चलना हो
चाहे छोड़ के देश निकलना हो
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
मिलता है...

चाहे संकट ने मुझे घेरा हो
चाहे चारों ओर अंधेरा हो
पर मन ना मेरा डगमग हो
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों
मिलता है...

जिह्वा पर तेरा नाम रहे
तेरा ध्यान सुबह और शाम रहे
तेरी याद में आठों याम रहे
रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में
मिलता...

पल विच मेहरां वाली...

माता होई दयाल भगतो मंग लेओ सुख दा दान
पल विच मेहरां वाली मैया कर देगी कल्याण

लौ दा दीवा लै के उस विच, नैना दी जोती पाओ
श्रद्धा भगती वाली वट्टी, वट के उस नू जगाओ
मिल जाएगा इस दर तो फिर मनचाहा वरदान
पल विच...

इस दे द्वारे ते जद कोई आए पहुंच दुखिआरी
उस दी गोदी दे विच मारे बछड़ा फिर किलकारी
करे इशारा मुरदे दे विच पै जांदी ऐ जान
पल विच...

इसे दी किरपा नाल हुंदे, सिपीआं दे विच मोती
चंचल है हर चीज दे अंदर इसे जोत दी जोती
इस दी किरपा नाल ही मूरख बन जावे विद्वान
पल विच...

मां मुरादें पूरी कर दे...

तर्ज : मेरा बाबू छैल-छबीला

मां मुरादें पूरी कर दे हलवा बाटूंगी
जोत जगा के सर को झुका के
मैं मनाऊंगी, दर पे जाऊंगी, आऊंगी, आ, ऊं, गी

विनती सुनलो मां खड़ी मैं बनके सवाली
झोली भरो मेरी रानी मां गोद है लाल से खाली
कृपा करो गोदी भरो
मैं दर पे आऊंगी, मैं मनाऊंगी...

भवन तेरा है सबसे ऊंचा मां और गुफा तेरी न्यारी
भाग्य विधाता जोतां वाली मां कहती है दुनिया सारी
दाती तुम्हारा लेके सहारा
मैं दर पे आऊंगी, मैं मनाऊंगी...

कृपा करो वरदाती मां छाया है गम का अंधेरा
तेरे सिवा मेरा कोई न मुझको भरोसा है तेरा
भाग्य बना दे बिगड़ी बना दे
मैं दर पे आऊंगी, मैं मनाऊंगी...

तेरे नाम ही से...

नाम तुम्हारा सबसे प्यारा
तेरे नाम ही से मेरा नाम चले मां
हो, नाम तुम्हारा सबसे है प्यारा
जीवन में मां जो भी आए
मान से मेरी झोली भर जाए
कट जाए सारा जीवन अपना
तेरी ठण्डी छांव तले मां
तेरे नाम ही से...

महिमा गाए हर एक प्राणी
पास मेरे न सुर न वाणी
सुंदर स्वर दो शारदा वर दो
तेरी दया से बंजर फूले फले मां
तेरे नाम ही से...

तेरी तस्वीर नैनों का दर्पण
हो जाए जीवन सारा तेरे ही अर्पण
जिसका मां तेरे चरणों में डेरा
उसका सूरज फिर कैसे ढले मां
तेरे नाम ही से...

तुम जो चाहो बस में पवन को कर लो
सागर का सारा पानी अंजलि में भर लो
भेद निराला, जानो मां ज्वाला
कैसे बीच पानी तले तेरी ज्योति जले मां
तेरे नाम ही से...

ओ जंगल के राजा...

ओ जंगल के राजा मेरी मैया को लेके आजा
मैंने आस की ज्योति जगाई, मेरे नयनों में मां है समाई
मेरे सपने सच तू बना जा, मेरी मैया को लेके आजा
ओ जंगल के राजा...

हर पल मां के संग विराजो धन्य तुम्हारी भक्ति है
शक्ति का तुम बोझ उठाने गजब तुम्हारी शक्ति है
तेरे सुंदर नयन कटीले ओ रंग के पीले-पीले
मेरी मैया को मुझसे मिला जा-मिला जा
ओ जंगल के राजा...

पवन रूपी मां के प्यारे चाल पवन की आ जाओ
देवों की आंखों के तारे आओ कर्म कमा जाओ
आ गहनों से तुम्हें सजाऊं पांवों में घुंघरू पहनाऊं
मैं बजाऊं ढोल और बाजा-बाजा
ओ जंगल के राजा...

पाके सम्मुख भोली मां को दिल की बातें कर लूं मैं
प्यास बुझा लूं जन्मों की और खाली झोली भर लूं मैं
मां के चरणों की धूल लगा लूं मैं सोया नसीब जगा लूं
मेरे दुख संताप मिटा जा-मिटा जा
ओ जंगल के राजा...

मां कहेगी बेटा मुझको मैं मां कहके बुलाऊंगा
ममता रूपी वरदानी से वर मुक्ति का पाऊंगा
सारी दुनिया से जो न्यारी छांव सुंदर अटल प्यारी
उस मां का दर्श दिखा जा-दिखा जा
ओ जंगल के राजा...

तुझे चूड़ा पहनाऊं माता...

तुझे चूड़ा पहनाऊं माता, तू मेरे सिर हाथ रख दे
लाल चुनरी चढ़ाऊं माता, तू मेरे सिर हाथ रख दे॥ टेर॥

मैंने सौंप दी जीवन की तुम्हारे हाथ डोर मइया
एक तुम ही पर भरोसा है निराला तेरा दर मइया
गुण तेरे ही गाऊं माता, तू मेरे सिर हाथ रख दे
तुझे चूड़ा...

मीठी ममता की छांव में बिठा ले मुझे दो पल ही
तेरे सदके मैं जाऊं माता, तू मेरे सिर हाथ रख दे
तुझे चूड़ा...

बाकी चरणों में सागर से प्यासे जो भी जल तेरा
ये मां मरजी तुम्हारी है तू आज बेड़ा तर देना
तुझे कभी न भुलाऊं माता तू मेरे सिर हाथ रख दे
तुझे चूड़ा पहनाऊं...

लगा दे मेरी मां किनारे...

लगा दे मेरी मां किनारे मेरा बेड़ा
हो तूने लाखों को मेरे जैसे तारा मां ॥ टेर ॥

जिसको संकट ने है घेरा, छाया चारों ओर अंधेरा
मेरी मुश्किल में है जान, मैं भी हो गया लहू लुहान
हो तेरे लाडलों ने तुझको पुकारा ओ मां
लगा दे मेरी...

मेरा दिल है बड़ा घबराया, सर पर करुणा की अब छाया
सर पर आज बला जो आई होगी तेरी मात दुहाई
हो पावे देगा जहान तुझे सारा ओ मां
लगा दे मेरी...